एक नया इतिहास रचें हम...

समावर्तन

२०१४

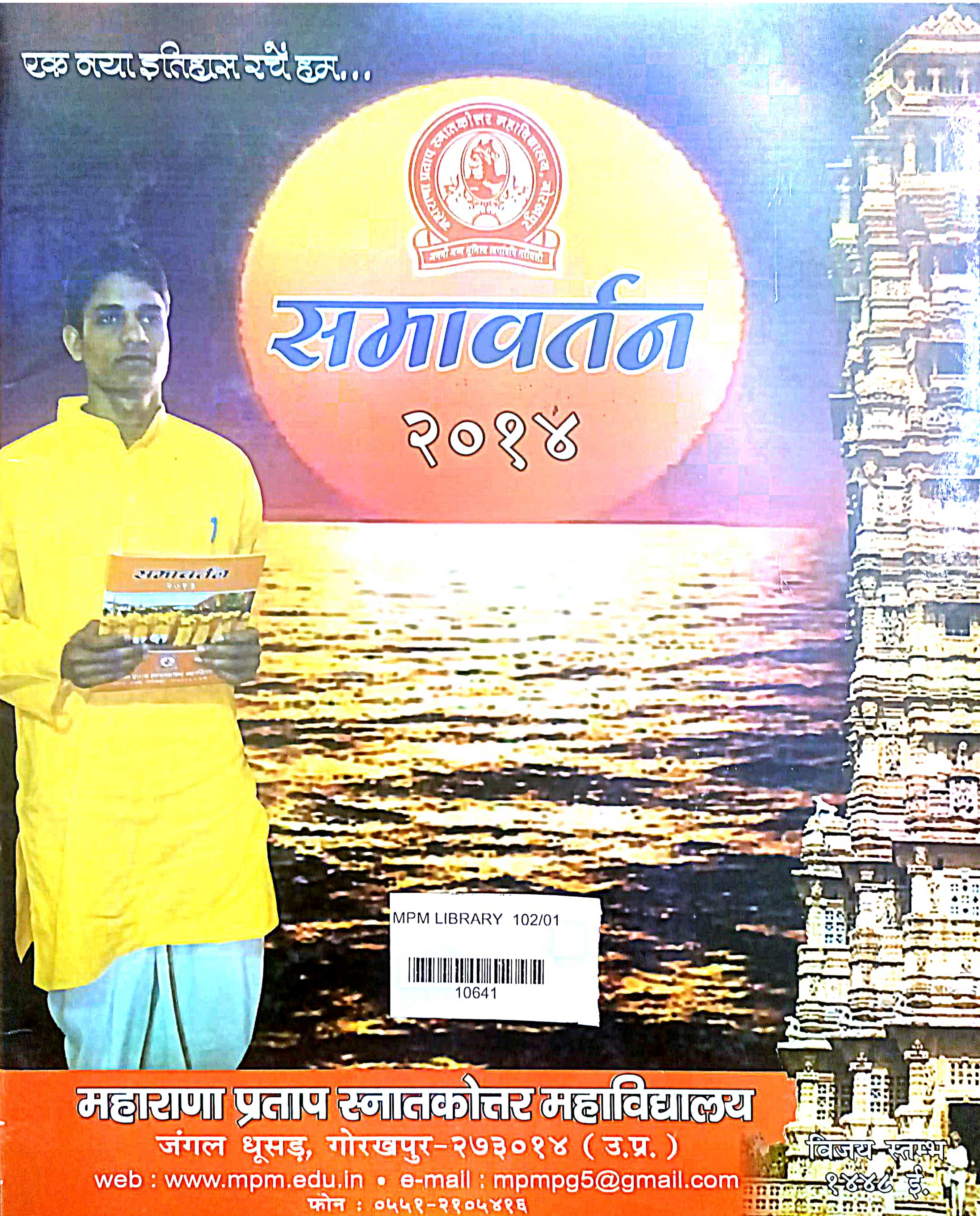

MPM LIBRARY 102/01
10641

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर-२७३०१४ (उ.प्र.)
web : www.mpm.edu.in • e-mail : mpmpg5@gmail.com
फोन : ०५५१-२१०५४१६

हमारे आदर्श

स्वदेश, स्वधर्म,
परमवीर महाराणा प्रताप
श्रीमुख से निःसृत-
'जननी जन्म भूमिश्च स्वग
और पुण्य प्रताप महाराणा
'जो हठि राखे धर्म को तिहि
हमारे सदा स्मरणीय बोधव
पर स्थापित करने के पीछे
करने वाला युवा आधुनिक
और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा का पाठ भी पढ़े।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.) 273014
ग्रन्थालय
परिग्रहण सं. 10641
आह्वान सं. ....

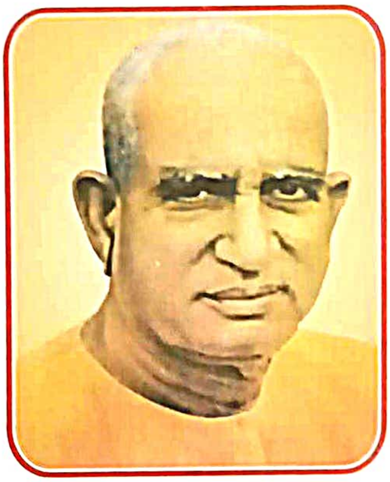

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक

शिक्षा के प्रसार को लोक जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र एवं अपनी कर्मस्थली गोरखपुर में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की १६३२ ई० में स्थापना कर शिक्षा क्षेत्र में अविस्मरणीय भूमिका की नींव रखी। वर्तमान में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत संचालित तीन दर्जन से भी अधिक शिक्षण-संस्थाओं में २५ हजार से भी अधिक छात्र-छात्रायें कला, विज्ञान, वाणिज्य, साहित्य, चिकित्सा और प्राविधिक विषयों में परम्परागत तथा आधुनिक विषयों की शिक्षा ले रहे हैं।

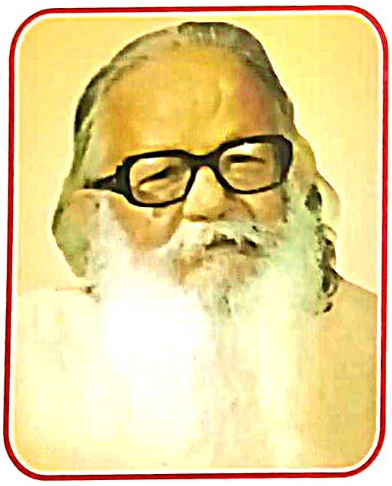

महाराणा प्रताप महाविद्यालय के संस्थापक

अपने वरेण्य गुरुदेव युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के बहुआयामी सपनों को साकार करने में निरन्तर संलग्न सामाजिक समरसता के उद्गाता, राष्ट्रवादी राजनीति के पुरोधा और अप्रतिम धर्मयोद्धा वर्तमान गोरक्षपीठाधीश्वर श्री महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने सन् १६३२ ई० में गुरुदेव द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद' को अपनी निष्ठा, सुदीर्घकालीन तपस्या और अनुभव की पूँजी से उत्तरोत्तर समृद्ध, समुन्नत और प्रगतिशील रखते हुए १६५७-५८ ई० में गोरखपुर में वर्तमान विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये उदारतापूर्वक विलीनीकृत तत्कालीन महाराणा प्रताप महाविद्यालय को नये रंग रूप में पुनर्जीवित करते हुये उच्च शिक्षा से वंचित ग्रामीण अंचल जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना की, जिसने शैक्षणिक गुणवत्ता, संस्कारयुक्त एवं अनुशासित परिसर की स्थापना कर अपनी बेहतरीन साख बनायी है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

भारत के स्वाधीनता संग्राम में बाल गंगाधर तिलक का युग समाप्त होते-होते कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रश्न चिह्न खड़ा होने लगा था। १९२० ई० के बाद क्रान्तिकारी आन्दोलन ने अलग राह पकड़ी और १९३०-३१ ई० तक आते-आते कांग्रेस के स्पष्ट सहयोग के अभाव में क्रान्तिकारियों का दमन करने में ब्रिटिश हुकूमत सफल रही। १९१५-१६ ई० के बाद इसी काल खण्ड में स्वाधीनता संग्राम की अगुवा कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की भी शिकार हुई। इस युग तक अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजियत में रगे बाबुओं की फौज खड़ी करने की शिक्षा नीति का प्रभाव भी दिखने लगा था। देश के समक्ष एक चुनौती थी कि भारत की नयी पीढ़ी भारतीयता के साँचे में कैसे ढले। अपनी संस्कृति और स्वदेशी दृष्टि से शिक्षा प्रणाली और शिक्षा नीति ही एक मात्र इस चुनौती का समाधान था। इस चुनौती को भी भारतीय मनीषियों ने स्वीकार किया।

महामना मदन मोहन मालवीय के अथक प्रयास से ४ फरवरी १९१६ ई० को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय लोकार्पित हो गया। भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु स्थापित यह विश्वविद्यालय पूरे देश में भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा पद्धति का एक नया मानक बना और इसी धारा को तत्कालीन युगपरुष गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने आगे बढ़ाते हुए १९३२ ई० में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखी। ब्रिटिश हुकूमत को शिक्षा के भी क्षेत्र में भारतीय मनीषियों द्वारा यह कड़ी चुनौती थी कि भारत अपने पैरों पर खड़ा होने में समर्थ है, वह अपना तंत्र, अपनी शिक्षा, अपनी संस्कृति और अपने मूल्यों की पुनः स्थापना अपनी योजनानुसार करेगा। यह दूरदृष्टि थी कि देश जब आजाद होगा तब तक देश की व्यवस्था चलाने हेतु भारतीय पद्धति के शिक्षा संस्थानों से निकले युवाओं की फौज तैयार मिलेगी।

देश पराधीन था। जनता विपन्न थी। ज्ञान कौशल के अभाव में स्वाभिमान और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की चेतना का जागरण दुष्कर था। महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज अपनी संकल्प शक्ति के बल पर आजादी की लड़ाई के एक प्रमुख शस्त्र के रूप में शैक्षिक क्रान्ति के पथ पर भी आगे बढ़े। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत १९३२ ई० में बक्शीपुर में किराये के एक मकान में 'महाराणा प्रताप क्षत्रिय स्कूल' प्रारम्भ हुआ। १९३५ ई० में इसे जूनियर हाईस्कूल की मान्यता मिल गयी और १९३६ ई० में यहाँ हाईस्कूल की पढ़ाई प्रारम्भ की गयी तथा इसका नाम 'महाराणा प्रताप हाई स्कूल' हो गया। इसी बीच महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के अथक प्रयास से गोरखपुर के सिविल लाइन्स में पाँच एकड़ भूमि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् को प्राप्त हो गयी और महाराणा प्रताप हाईस्कूल का केन्द्र सिविल लाइन्स हो गया तथा देश के आजाद होते समय यह विद्यालय महाराणा प्रताप इण्टरमीडिएट कालेज के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

१९४९-५० ई० में इसी परिसर में महाराणा प्रताप डिग्री कालेज की स्थापना महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का अगला पड़ाव था। अगस्त १९५८ ई० में महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने महाराणा प्रताप डिग्री कालेज को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित किया और विश्वविद्यालय की स्थापना के आधार स्तम्भ बने। वर्तमान गोरखपुर विश्वविद्यालय का वाणिज्य संकाय आज भी उसी महाराणा प्रताप डिग्री कालेज भवन में चल रहा है तथा उसी परिसर में विश्वविद्यालय का एम.बी.ए., शिक्षा शास्त्र एवं वाणिज्य संकाय का नवीन भवन भी स्थित है। तत्पश्चात् महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् ने ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजय नाथ जी महाराज के नाम से वर्तमान दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना की, सम्प्रति यह विश्वविद्यालय परिसर से सटे महानगर का एक अति प्रतिष्ठित महाविद्यालय है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा वर्तमान में तीन दर्जन से अधिक शिक्षण संस्थाएँ गोरखपुर क्षेत्र में संचालित हो रही है। इनमें गोरखपुर में महाराणा प्रताप महिला महाविद्यालय रामदत्तपुर, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय गोरखनाथ, दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कालेज सिविल लाइन्स, महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक, महाराणा प्रताप मंगला देवी सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल बेतियाहाता, महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज जंगल धूसड़, श्री गोरक्षनाथ संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोरखनाथ, महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कालेज रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप पूर्व माध्यमिक विद्यालय रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप शिशु शिक्षा बिहार रामदत्तपुर, महाराणा प्रताप जूनियर हाईस्कूल लालडिग्गी, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक माफी पीपीगंज, पितेश्वरनाथ जूनियर हाईस्कूल भरोहिया, पीपीगंज, प्रताप आश्रम गोलघर, महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, महन्त दिग्विजयनाथ महिला छात्रावास सिविल लाइन्स, गुरुगोरक्षनाथ संस्कृत छात्रावास गोरखनाथ, महाराणा प्रताप टेलरिंग स्कूल सिविल लाइन्स, गुरू श्री गोरक्षनाथ स्कूल आफ नर्सिंग गोरखनाथ मन्दिर, महायोगी गुरु गोरक्षनाथ योग संस्थान गोरखनाथ मन्दिर, श्री गोरखनाथ आधुनिक व्यायाम शाला गोरखनाथ मन्दिर, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई -कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र जंगल धूसड़, हिन्दू विद्यापीठ जंगल तिनकोनिया, महायोगी गुरू श्री गोरक्षनाथ गौ सेवा केन्द्र गोरखनाथ, गुरू श्री गोरक्षनाथ सेवा संस्थान गोरखनाथ एवं योगिराज बाबा गम्भीर नाथ सेवा आश्रम जंगल धूसड़ आदि प्रमुख संस्थाएँ हैं। महराजगंज में गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय, चौक बाजार, दिग्विजयनाथ इण्टर कालेज चौक बाजार, दिग्विजयनाथ पूर्व माध्यमिक विद्यालय चौक बाजार तथा दिग्विजयनाथ प्राथमिक विद्यालय चौक बाजार प्रमुख शिक्षण संस्थाएँ हैं। शिक्षा परिषद् की एक महत्वपूर्ण संस्था गुरू गोरक्षनाथ संस्कृत विद्यालय मैदागिन, वाराणसी में स्थित है। चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय एवं महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेदिक चिकित्सालय भी गोरखनाथ मन्दिर द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत ही संचालित है। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़ इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित संस्था है।

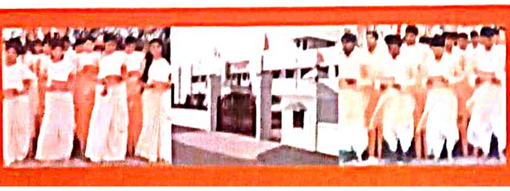

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

गोरक्षपीठाधीश्वर

॥ ओऽम् नमो भगवते गोरक्षनाथाय ॥

☎ (०५५१)
२२५५४५३
२२५५४५४

श्री गोरखनाथ मन्दिर

शुभाशीष

१९३२ ई0 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना गुरूदेव महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में शिक्षा के प्रसार हेतु किया था। उन्होंने अपने द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप महाविद्यालय' को तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री गोविन्द बल्लभ पन्त के आग्रह पर गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु भूमि-भवन एवं अध्यापक-छात्र सहित सरकार को दे दिया। सम्प्रति गोरखपुर विश्वविद्यालय की नींव पड़ी। उसी स्मृति को पुनर्जीवित करते हुए २००५ ई0 में जंगल धूसड़ में 'महाराणा प्रताप महाविद्यालय' की स्थापना की गई।

यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक प्रतिमान बनकर उभरा है। महाविद्यालय द्वारा स्नातकोत्तर कक्षाओं का संचालन बढ़ते कदम का परिचायक है। हमें प्रसन्नता है कि महाविद्यालय का सातवाँ बैच स्नातक की शिक्षा तथा तीसरा बैच स्नातकोत्तर की शिक्षा पूरी कर अपने जीवन के अगले सोपान पर कदम रखने के लिए तैयार है। 'समावर्तन संस्कार' के साथ उन्हें महाविद्यालय परिवार 'विदा' करने जा रहा है। मुझे विश्वास है कि महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय में अध्ययन के दौरान यहाँ के विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ जो सामाजिक-राष्ट्रीय जीवन की भी शिक्षा एवं प्रेरणा मिली है, उससे उनका मार्ग प्रशस्त होगा। राष्ट्र और समाज को एक योग्य पीढ़ी प्राप्त होगी। मेरा सभी छात्र-छात्राओं को शुभाशीष एवं इस आयोजन के प्रति हार्दिक शुभकामना।

शुभेच्छु

(महन्त अवेद्यनाथ)
सचिव/ मंत्री, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्
अध्यक्ष-प्रबन्ध समिति,
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़

Dr. BHOLENDRA SINGH
M.Com. Ph.D.
Ex. - Vice Chancellor
Poorvanchal University
Jaunpur

☎ : (051) - 2256934
Residence :-
A-64, Surajkund Colony
Gorakhpur-273001

शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ की शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में पहल अविस्मरणीय है। १६३२ ई0 में ही महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना के साथ शिक्षण संस्थानों की जो शृंखला खड़ी हुई, उसमें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की स्थापना उच्च शिक्षा में बढ़ते कदम का अगला पड़ाव था। गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की इच्छा एवं प्रेरणा से स्थापित यह महाविद्यालय नौवाँ वर्ष पूरा करने जा रहा है। इस सत्र में महाविद्यालय से स्नातक शिक्षा प्राप्त कर चुके सातवें 'बैच' एवं स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त कर चुके तृतीय 'बैच' के लिए 'समावर्तन संस्कार' समारोह का आयोजन एक प्रशंसनीय प्रयास है। इस प्रयास की सफलता हेतु मैं महाविद्यालय परिवार को हार्दिक शुभकामना एवं धन्यवाद प्रेषित कर रहा हूँ।

भो. लेन्द्र सिंह

(भोलेन्द्र सिंह)
पूर्व, कुलपति
अध्यक्ष-महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्, गोरखपुर

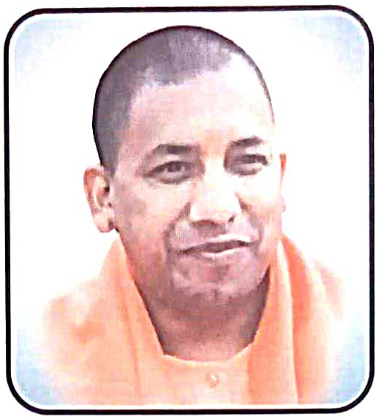

योगी आदित्यनाथ
संसद सदस्य, लोकसभा
भारत
प्रबन्धक,
महाराणा प्रताप महाविद्यालय,
जंगल धूसड़

शुभकामना संदेश

शिक्षा में गुणवत्ता का गिरता स्तर उच्च शिक्षा के समक्ष एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। उच्च शिक्षा परिसरों में अराजकता, अपराधियों का बढ़ता प्रभाव, राजनीतिक दलों का सक्रिय हस्तक्षेप और शिक्षा संस्कृति का निरन्तर ह्रास गम्भीर चिंता का विषय है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में गुणवत्तायुक्त, युगानुकूल और भारतीय संस्कृति केन्द्रित शिक्षा के प्रसार हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने की थी। उपर्युक्त विषम परिस्थितियों में चुनौती को स्वीकार करते हुए महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना २००५ ई० में की गयी। शीघ्र ही इस महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज करायी। पूरे सत्र में १८० दिन पढ़ाई, १४ फरवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण कर लेने, सप्ताह में एक दिन की कक्षा छात्र-छात्राओं द्वारा पढ़ाये जाने, सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, राष्ट्रगीत एवं राष्ट्रगान के साथ महाविद्यालय की प्रतिदिन की दिनचर्या शुरू करने, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का आयोजन, सप्ताह में एक दिन स्वैच्छिक श्रमदान, विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन, विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन, कक्षाध्यापन में अद्यतन तकनीकों का प्रयोग जैसे नये-नये प्रयोगों के साथ इस महाविद्यालय ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अनुकरणीय ख्याति अर्जित की है।

छात्रसंघ की संरचना में नया प्रयोग एवं प्रशासनिक व्यवस्था में छात्र सहभाग की योजना प्रशंसनीय है। यदि ये प्रयोग सफल हुये तो निश्चय ही यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक मानक महाविद्यालय के रूप में जाना जायेगा। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उद्देश्यों के अनुरूप शिक्षा के साथ संस्कार का प्रयास भी सराहनीय है। 'गाउन' के स्थान पर भारतीय वेश-भूषा में 'समावर्तन संस्कार' समारोह का आयोजन भी शिक्षा परिसर में भारतीय संस्कृति की पुनर्स्थापना का महत्वपूर्ण प्रयास है। 'समावर्तन संस्कार' समारोह की सफलता एवं वर्तमान सत्र में स्नातक एवं स्नातकोत्तर शिक्षा पूर्ण कर अपनी जीवन यात्रा के पथ पर निरन्तर अग्रसर विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की मेरी हार्दिक शुभकामना।

(योगी आदित्यनाथ)
सह सचिव, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद
मंत्री-प्रबन्ध समिति,
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़

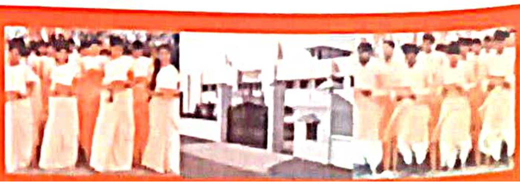

प्रो0 यू0 पी0 सिंह
पूर्व कुलपति
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय
जौनपुर (उ.प्र.)

शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने १९३२ ई0 में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की। शिक्षा के प्रसार को लोक जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत प्राथमिक से लेकर उच्च एवं प्राविधिक शिक्षण संस्थानों की शृंखला खड़ी की। तत्पश्चात् गोरक्षपीठाधीश्वर पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की देख-रेख में शिक्षा के क्षेत्र में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा स्थापित तत्कालीन महाराणा प्रताप डिग्री कालेज में १९५५ से १९५८ ई0 तक कार्य करने का मुझे सुअवसर मिला। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की स्थापना शिक्षा परिषद् के इसी बढ़ते क्रम में हुई।

अपने अल्प समय में ही उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इस महाविद्यालय को पर्याप्त यश मिला है। नित नये प्रयोगों, अनुशासन, गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के कारण यह महाविद्यालय प्रशंसित हुआ है। हमें विश्वास है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय भारतीय संस्कृति के विकास का प्रयास जारी रखेगा। महाविद्यालय के सप्तम् 'समावर्तन संस्कार' समारोह के आयोजन पर महाविद्यालय परिवार को हमारी हार्दिक शुभकामना।

उ० प्र० सिंह

(यू.पी. सिंह)
उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्
उपाध्यक्ष-प्रबन्ध समिति,
महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़

मुख्य अतिथि

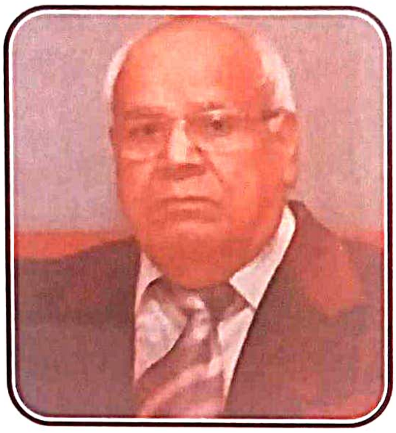

न्यायमूर्ति कलाधर शाही
अ.प्रा. न्यायाधीश
उच्च न्यायालय (उ.प्र.)
पूर्व न्यायिक सलाहकार, पी.आई.सी.यू.पी.
निदेशक, यूनिसन स्कूल ऑफ लॉ, देहरादून

शुभकामना संदेश

गोरक्षपीठ द्वारा स्थापित पूर्वी उत्तर प्रदेश में शिक्षा एवं स्वास्थ्य के क्षेत्र में सर्वाधिक अग्रणी एवं प्रतिष्ठित संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित जंगल धूसड़ में स्थित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय देश के प्रतिष्ठित कुछ उच्च शिक्षण संस्थानों में एक है, जहाँ पाठ्यक्रमों के साथ-साथ राष्ट्रभक्ति एवं समाज सेवा का पाठ पढ़ाया जाता है। गोरखपुर से मेरा निकट का सम्बन्ध है। गोरखपुर में आता-जाता रहता हूँ। मैंने यहाँ के लोगों का मानस पढ़ा है। मैं यह जानता हूँ कि इस क्षेत्र के लोगों के बीच महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर एक 'प्रतिमान' महाविद्यालय के रूप में ख्याति प्राप्त कर चुका है। यह महाविद्यालय उच्च शिक्षा की एक ऐसी प्रयोगशाला है, जहाँ अध्ययन-अध्यापन के नित-नूतन प्रयोग के साथ न केवल विद्यार्थी गढ़े जाते हैं अपितु यह आदर्श शिक्षकों की नर्सरी भी है। महाविद्यालय प्रशासन में छात्र-सहभाग, शिक्षकों का विद्यार्थियों द्वारा मूल्यांकन तथा विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन का प्रयोग उच्च शिक्षा में निःसन्देह नये प्रतिमानों की स्थापना का सफल प्रयास ही है।

आत्म विस्मृति की शिकार भारतीय शिक्षा जगत में 'गाउन' की जगह भारतीय परिधान में 'समावर्तन संस्कार' का आयोजन भारतीय संस्कृति के जीवन-मूल्यों का युवा पीढ़ी को संदेश देने का एक अभिनव प्रयास है। महाविद्यालय परिवार को समावर्तन संस्कार समारोह के आयोजन एवं विद्यार्थियों के सफलतम जीवन की हार्दिक शुभकामना।

कलाधर शाही
अ.प्रा. न्यायाधीश
उच्च न्यायालय (उ.प्र.)

मुख्य अतिथि

न्यायमूर्ति कलाधर शाही

रत्नगर्भा भारत माता की कोख से उत्पन्न न्याय के क्षेत्र में अविस्मरणीय उपलब्धि हासिल करने वाले न्यायमूर्ति कलाधर शाही जी का जन्म गोरखपुर जनपद के बांसगांव में आज से ७४ वर्ष पूर्व स्व० रघुवीर शाही जी के घर हुआ। आप प्रारम्भ से ही मेधावी छात्र रहे। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप इण्टर कालेज, सिविल लाईन्स, गोरखपुर में इण्टर तक की शिक्षा प्राप्त कर १९६० में आपने गोरखपुर विश्वविद्यालय से विधि स्नातक का स्वर्ण पदक प्राप्त किया तथा अपनी अतूल्य प्रतिभा के कारण १९६४ में ही उत्तर प्रदेश प्रादेशिक न्याय सेवा में मुंसफ का पद ग्रहण किया। अपनी विलक्षण कार्य पद्धति के कारण १९७७ में ही आपकी उ० प्र० उच्च न्यायिक सेवा में प्रोन्नति हो गयी। शिक्षा के प्रति अपनी ललक के कारण सेवाकाल में ही आपने लखनऊ विश्वविद्यालय से १९८० में विधि परास्नातक की उपाधि प्राप्त की।

प्रारम्भ से ही न्यायमूर्ति कलाधर शाही जी अपनी अनूठी कार्य पद्धति, अपने सहज एवं सरल व्यक्तित्व तथा ज्ञान मण्डित विनम्रता के कारण अत्यन्त लोकप्रिय रहे। न्यायिक क्षेत्र में इनकी प्रतिभा तथा मेधा इनकी उपलब्धियों से प्रमाणित हो चुकी थी। १९८६ से १९८९ तक आपने देश की सर्वोच्च वित्तीय संस्था PICUP के न्यायिक सलाहकार के रूप में भी कार्य किया। इसके पश्चात आपने हरिद्वार, फतेहपुर, सीतापुर तथा वाराणसी इत्यादि जनपदों में जिला जज के रूप में भी अपनी सेवाएँ प्रदान की। १९९७ में आप माननीय उच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति के रूप में आसीन हुए।

न्यायिक सेवा से अवकाश लेने के पश्चात भी आप राष्ट्र को अपनी सेवाएँ निरन्तर दे रहे हैं। आपने सन् २००० से २००१ तक भारत सरकार के डीलर सेलेक्शन बोर्ड (पेट्रोलियम)के अध्यक्ष के रूप में तथा २००२ में उ० प्र० डिटेन्शन एडवाइजरी बोर्ड के सदस्य के रूप में भी कार्य किया है। आप उत्तरांचल राज्य के उपभोक्ता मामलों से सम्बन्धित आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। वर्तमान में आप यूनिसन स्कूल ऑफ लॉ, देहरादून, उत्तराखण्ड के निदेशक हैं।

प्रारम्भ से ही भारत की राष्ट्रीय एवं सामाजिक समस्याओं पर न्यायमूर्ति कलाधर शाही जी की पैनी नजर रहती है और इन समस्याओं के समाधान के वे मौलिक चिन्तक भी हैं। आपने पूर्वांचल की शिक्षा समस्याओं को देखते हुए बांसगांव में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में जवाहर लाल नेहरु परास्नातक महाविद्यालय की स्थापना की। शिक्षा के क्षेत्र में आपकी रुचि के कारण ही आपने गढवाल विश्वविद्यालय, गोरखपुर विश्वविद्यालय, शारदा विश्वविद्यालय, ICFAI विश्वविद्यालय तथा उत्तरांचल तकनीकी विश्वविद्यालय सहित अनेकों शैक्षिक संस्थाओं में भी अपनी सेवाएं प्रदान की हैं।

वस्तुतः आप एक विचारक तथा मौलिक चिन्तक हैं। आपकी सिविल, उपभोक्ता तथा फौजदारी के मामलो से सम्बन्धित अनेकों लोकप्रिय पुस्तकें प्रकाशित हैं। जिन्हें पढ़कर देश भर में अकादमिक क्षेत्र के बड़ी संख्या में लोग आपके प्रंशसक है।

आज समावर्तन संस्कार समारोह में ऐसे समाजसेवी, राष्ट्रभक्त, भारतमाता की सेवा में सम्पूर्ण जीवन होम करने वाले मनीषी को मुख्य अतिथि के रूप में पाकर महाविद्यालय परिवार अत्यन्त हर्षित, आह्लादित एवं गौरवान्वित है।

दो शब्द ...

विद्याभारती द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् [illegible] के रूप में गोरखपुर महानगर के पूर्वी छोर पर अवस्थित परिसर में [illegible] महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय अपनी यात्रा के [illegible] वर्ष पूर्ण कर रहा है। महाविद्यालय का [illegible] स्नातकोत्तर महाविद्यालय [illegible] एवं [illegible] पाठ्यक्रम, शिक्षा पूर्ण कर इस वर्ष विश्वविद्यालयीय परीक्षा उत्तीर्ण कर अपने जीवन यात्रा के अगले पड़ाव पर जाने हेतु तैयार हैं। भारत के [illegible] स्नातक, स्नातकोत्तर शिक्षा प्राप्त [illegible] और ऐसे आर्थिक, [illegible] दृष्टि [illegible] हमारे महाविद्यालय का भी [illegible] योगदान है। हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन के तीन वर्ष का यह [illegible] हमारे महाविद्यालय परिवार से जुड़ा है। महाविद्यालय परिवार में बीते इन वर्षों का हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा, यह तो विद्यार्थी स्वयं एवं समाज [illegible] और यही हमारी [illegible] होगी।

आज का समावर्तन संस्कार समारोह इस बात का सूचक है कि हम अपने विद्यार्थियों को एक योग्य नागरिक के रूप में देखना चाहते हैं। वर्तमान में भारत की शिक्षित युवा पीढ़ी का अधिकांश हिस्सा [illegible] पाश्चात्य संस्कृति के आकर्षण के [illegible] हुआ है। [illegible] भारतीय राजनीति ने भारतीय धर्म, संस्कृति को [illegible] का चोला पहनाकर उसके [illegible] पर [illegible] का आवरण चढ़ा दिया है। [illegible] सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की डोर कमजोर हुई है। परिवार संस्था भी कमजोर हो रही है। [illegible] जा रहे हैं। [illegible] के रूप में असन्तुलित विकास का [illegible] है। [illegible], अलगाववाद, [illegible] निरन्तर प्रभावहीन होते भारतीय जीवन-मूल्य के ही सूचक हैं।

किसी भी राष्ट्र का वर्तमान और भविष्य उस देश की शिक्षा प्रणाली और उसके स्वरूप पर निर्भर करता है। डॉ. [illegible] कोठारी इसी बात को कह रहे थे कि 'भारत का भविष्य कक्षाओं में पलता है'। किन्तु भारत का दुर्भाग्य है कि आजादी के [illegible] वर्ष बाद भी हम मैकाले के युग से शिक्षा को आजाद नहीं करा पाये। मैकाले द्वारा प्रतिपादित शिक्षा नीति आज तक प्रभावी है और उसके उद्देश्य 'अंग्रेजी शिक्षा व विचारों के प्रभाव से ऐसे भारतीय पैदा करना जो बौद्धिक दृष्टि से गुलाम हों' - को पूरा करने में ही लगी हुई है। 'धर्मनिरपेक्षता' और 'समाजवाद' के नाम पर भारत की सत्ता देश की युवा पीढ़ी को गुमराह करने वाली शिक्षा पद्धति की ही प्रतिस्थापक है। किन्तु मैकाले की शिक्षा नीति और स्वतन्त्र भारत के सत्ताधीशों द्वारा शिक्षा के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं जीवन मूल्यों की अर्थी सजाने पर [illegible] रहने से क्या होने वाला है? इस शिक्षा प्रणाली में, जितना सम्भव है उसके प्रभावों को, कुछ शिक्षण संस्थाएं ही तो कहीं निष्फल कर सकती हैं और भारतीय संस्कृति एवं जीवन-मूल्य के प्रति कोई भी समूह ही नहीं, युवाओं में [illegible] जागृत कर सकते हैं।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना परतन्त्र भारत में (१९३२ ई.) तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने उपर्युक्त उद्देश्यों से ही की थी। भारतीय संस्कृति और उसके जीवन मूल्यों तथा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति भारत की युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के प्रयास के साथ प्रतिष्ठित एवं विकसित होता हुआ महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय [illegible] ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं उनकी यशस्वी परम्परा के सपनों को पूरा करने में कहाँ तक सफल है, इसका मूल्यांकन [illegible] और समाज करेगा तथापि 'समावर्तन संस्कार समारोह' हमारे वैचारिक अभियान का ही हिस्सा है। हिन्दू जीवन दर्शन के षोडश संस्कारों में 'समावर्तन संस्कार' का मानव जीवन के संस्कारों में महत्वपूर्ण स्थान है। आज के अवसर पर अपने विद्यार्थियों के यशस्वी जीवन की हार्दिक शुभकामना। मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थियों की जीवनयात्रा में महाविद्यालय परिवार का [illegible], यथार्थ किसी न किसी रूप में अवश्य झलकता रहेगा।

फाल्गुन शुक्ल नवमी, विक्रम संवत् २०७०
युगाब्द ५११५ (१० मार्च, २०१४ ई.)

(प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम (सत्र : २०१३-१४)

महाविद्यालय में पौधरोपण :

७ जुलाई २०१३ को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ० प्रदीप राव, डॉ० विजय कुमार चौधरी, एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती कविता मन्ध्यान एवं श्री लोकेश प्रजापति ने ५० पौधे लगाकर किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं द्वारा पौधरोपण किया गया।

महाविद्यालय में पौधरोपण

सत्रारम्भ :

महाविद्यालय के शैक्षिक पञ्चांग के अनुसार १६ जुलाई से स्नातक स्तर पर कला, विज्ञान एवं वाणिज्य भाग दो एवं तीन तथा स्नातकोत्तर स्तर पर रसायन शास्त्र एवं प्राचीन इतिहास अन्तिम वर्ष की कक्षायें प्रारम्भ की गई। १ अगस्त से स्नातक एवं स्नातकोत्तर भाग एक की कक्षायें प्रारम्भ हुई।

नवागन्तुक स्वागत समारोह में उपस्थित छात्र-छात्राएं

नवागन्तुक स्वागत समारोह :

१ अगस्त को प्रथम वर्ष के सभी छात्र एवं छात्राओं के स्वागत हेतु द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं द्वारा भव्य स्वागत समारोह आयोजित किया गया। स्वागत समारोह में रैगिंग जैसी अमानवीय कृत्यों से विगत वर्षों की भाँति परिसर वातावरण को अक्षुण्ण बनाये रखने का संकल्प लिया गया। समारोह का आयोजन महाविद्यालय के द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के छात्र-छात्राओं तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में किया गया।

विशिष्ट व्याख्यान :

२१ जुलाई २०१३ को महाविद्यालय में गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र तथा भारतीय इतिहास संकलन समिति के संयुक्त तत्वावधान में 'सरस्वती नदी की गोद में भारतीय सभ्यता का उदय' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय पुरातत्व संस्थान के निदेशक प्रो०के०एन० दीक्षित एवं अध्यक्ष के रूप में प्रसिद्ध पुरातत्त्ववेत्ता प्रो० शिवाजी सिंह उपस्थित थे। व्याख्यान का संचालन श्री सुबोध मिश्र एवं आभार प्राचार्य डॉ० प्रदीप राव ने किया।

व्याख्यान देते हुए प्रो. शिवाजी सिंह

देश विभाजन की पूर्व सन्ध्या पर व्याख्यान :

देश विभाजन की पूर्व सन्ध्या पर १३ अगस्त को प्रतिवर्ष की भाँति 'भारत विभाजन के गुनहगान कौन' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसके मुख्य अतिथि बिहार विधान परिषद के सदस्य एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व राष्ट्रीय महामन्त्री श्री हरेन्द्र प्रताप थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान पी.जी. कालेज सेवरही के पूर्व प्राचार्य डॉ० वेद प्रकाश पाण्डेय तथा संचालन श्री पुरुषोत्तम पाण्डेय ने किया ।

देश विभाजन की पूर्व संध्या पर आयोजित व्याख्यान

शिक्षक संघ चुनाव :

१४ अगस्त को महाविद्यालय में शिक्षक संघ का चुनाव सम्पन्न हुआ, जिसमें अध्यक्ष डॉ० विजय कुमार चौधरी, उपाध्यक्ष श्री सुभाष कुमार गुप्ता, महामन्त्री श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी एवं कोषाध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम पाण्डेय निर्वाचित हुए। चुनाव में महाविद्यालय के सभी शिक्षकों ने मतदान किया। चुनाव अधिकारी प्राणि विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. आर.एन. सिंह रहे।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

स्वतन्त्रता दिवस समारोह :

स्वतन्त्रता दिवस का राष्ट्रीय पर्व १५ अगस्त को महाविद्यालय में उत्साहपूर्वक ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगान के साथ मनाया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत देश-प्रेम से ओत-प्रोत प्रस्तुतियाँ एवं सामाजिक समस्याओं के समाधान के प्रति जागरूकता से सम्बन्धित कार्यक्रमों के पश्चात् वन्देमातरम् के साथ समारोह सम्पन्न हुआ ।

ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति व्याख्यान-माला :

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की स्मृति में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी १७ अगस्त से २३ अगस्त २०१३ तक साप्ताहिक व्याख्यान-माला का आयोजन किया गया। १७ अगस्त को इस साप्ताहिक व्याख्यान माला के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान के पूर्व अध्यक्ष एवं ख्यातिलब्ध साहित्यकार डॉ० कन्हैया सिंह, कार्यक्रम के अध्यक्ष गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी सदर सांसद पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज, मुख्य वक्ता वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो० उदय प्रताप सिंह रहे। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रवक्ता श्री सुबोध मिश्र तथा आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ० प्रदीप राव ने किया।

व्याख्यान माला के उद्घाटन सत्र में अतिथि

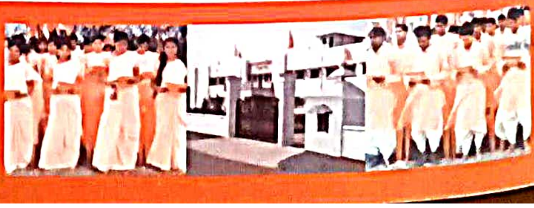

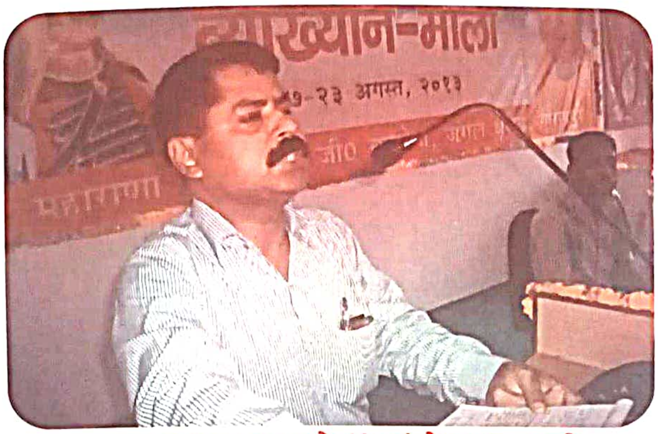

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. संतोष शुक्ल जी

१८ अगस्त :

साप्ताहिक व्याख्यान-माला के दूसरे दिन, ''दक्षिण पूर्व एशिया और भारत-अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध के सन्दर्भ में'' विषय पर मुख्य वक्ता जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ० सन्तोष शुक्ला ने अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान का संचालन कालेज के छात्र श्री मनीष त्रिपाठी तथा आभार ज्ञापन रसायनशास्त्र विभाग के प्राध्यापक डॉ० प्रदीप वर्मा ने किया।

१९ अगस्त :

साप्ताहिक व्याख्यान माला के तीसरे दिन, ''सामाजिक पुनर्जागरण में नाथ पंथ की भूमिका'' विषय पर उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान के पूर्व अध्यक्ष डॉ० कन्हैया सिंह ने अपना शोध व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान का संचालन एम०एस-सी० द्वितीय वर्ष ने छात्र श्री प्रदीप पाण्डेय एवं आभार ज्ञापन वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक श्री मनीष कुमार ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. कन्हैया सिंह जी

२० अगस्त :

साप्ताहिक व्याख्यान माला के चौथे दिन ''स्वामी विवेकानन्द एवं भारतीय युवा'' विषय पर दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के अंग्रेजी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो० एस० सी० बोस ने अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के छात्र श्री मनु कुमार सैनी तथा आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ० प्रदीप राव ने किया।

२१ अगस्त :

साप्ताहिक व्याख्यान-माला के पाँचवें दिन ''भारत नेपाल सम्बन्ध : वर्तमान परिप्रेक्ष्य में'' विषय पर मुख्य वक्ता भारत नेपाल सम्बन्धों के विशेषज्ञ श्री अजीत कुमार ने अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान का संचालन महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के प्रवक्ता डॉ० शशिकान्त सिंह एवं आभार ज्ञापन मनोविज्ञान विभाग के प्रवक्ता डॉ० अजय बहादुर सिंह ने किया।

व्याख्यान-माला के समापन समारोह में मुख्य अतिथि

२३ अगस्त :

साप्ताहिक व्याख्यान-माला के समारोप के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वायु सेना के पूर्व एयर वाइस मार्शल श्री विश्वमोहन तिवारी ने अपने विचार रखे । कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व कुलपति एवं उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो० राम अचल सिंह ने की। समारोह का संचालन छात्र संघ उपाध्यक्ष श्री राहुल शर्मा तथा आभार ज्ञापन प्राचीन इतिहास विभाग के प्रभारी श्री लोकेश कुमार प्रजापति ने किया ।

राष्ट्रीय सेवा योजना की एक दिवसीय कार्यशाला :

महाविद्यालय में 1 सितम्बर 2013 को राष्ट्रीय सेवा योजना की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० प्रदीप राव, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती कविता मन्ध्यान एवं श्री लोकेश प्रजापति ने अपने विचार रखें। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की गुरु गोरक्षनाथ इकाई एवं महाराणा प्रताप इकाई के स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाएं उपस्थित रहीं।

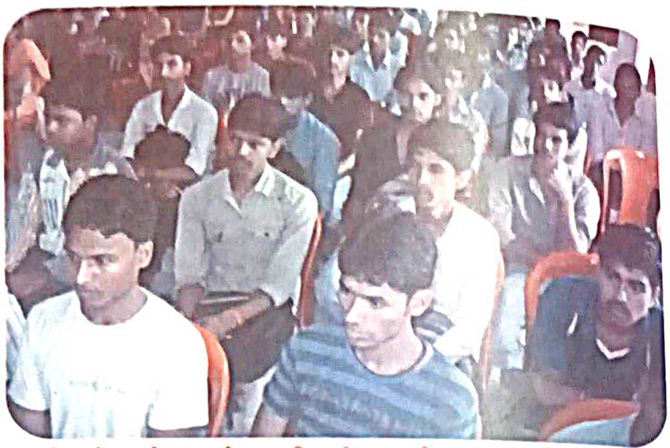

राष्ट्रीय सेवा योजना के एक दिवसीय कार्यशाला मे उपस्थित विद्यार्थी

शिक्षक दिवस :

महाविद्यालय में शिक्षक दिवस विद्यार्थी कक्षाएं पढ़ाकर मनाते हैं। ५ सितम्बर को कक्षाएं विद्यार्थियों द्वारा पढ़ाई गईं तत्पश्चात रसायनशास्त्र विभाग एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में शिक्षक दिवस समारोह आयोजित किया गया। इस मौके पर शिक्षक छात्र सम्बन्ध पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ० प्रदीप राव, भूगोल विभाग प्रभारी डॉ० विजय कुमार चौधरी, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री लोकेश कुमार प्रजापति, डॉ० राजेश शुक्ला एवं श्री अरविन्द शुक्ला ने अपने विचार रखे । कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के एम.एस-सी. के छात्र श्री प्रदीप पाण्डेय तथा प्रस्ताविकी श्री मनीष कुमार त्रिपाठी ने रखी।

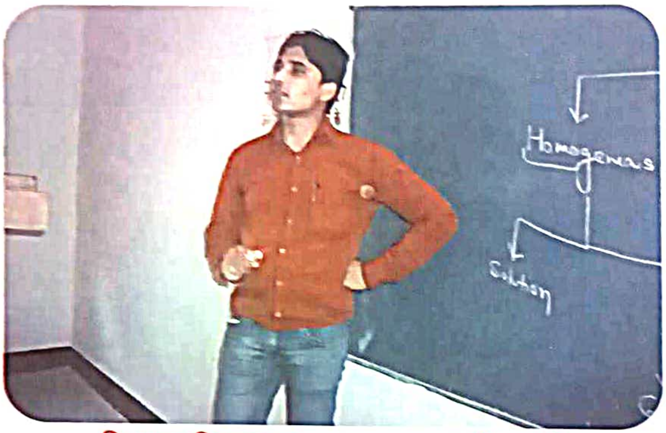

शिक्षक दिवस पर कक्षा पढ़ाता विद्यार्थी

अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस :

८ सितम्बर को अन्तर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाओं ने एक जन जागरूकता रैली निकाली । यह रैली महाविद्यालय परिसर से निकलकर ग्राम-मंझरिया एवं हसनगंज होते हुए महाविद्यालय परिसर पहुँची। इस अवसर पर एक गोष्ठी भी आयोजित की गई।

कर्मचारी संघ चुनाव :

१२ सितम्बर को महाविद्यालय में कर्मचारी संघ का चुनाव सम्पन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष श्री संजय कुमार शर्मा, उपाध्यक्ष श्री लालसा महामन्त्री श्री जोगिन्दर एवं कोषाध्यक्ष श्री रामरतन चुने गये।

हिन्दी दिवस :

१४ सितम्बर को महाविद्यालय में हिन्दी दिवस का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य परिचालन प्रबन्धक श्री रणविजय सिंह एवं मुख्य वक्ता उत्तर प्रदेश शासन में विशेष सचिव श्री यशवन्त राव ने अपने विचार रखें। कार्यक्रम की अध्यक्षता उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग उ० प्र० के पूर्व सदस्य और अंग्रेजी साहित्यकार प्रो० अमर सिंह ने की। कार्यक्रम का संचालन अर्थशास्त्र के प्रवक्ता श्री पुरुषोत्तम पाण्डेय और आभार ज्ञापन डॉ० अजय बहादुर सिंह ने किया ।

श्री रणविजय सिंह, प्रो. अमर सिंह एवं श्री यशवन्त राव

पुरातन छात्र परिषद् का चुनाव

पुरातन छात्र परिषद् :

महाविद्यालय में प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी ७ अक्टूबर को पुरातन छात्र परिषद् का चुनाव सम्पन्न हुआ जिसमें अध्यक्ष श्री राकेश कुमार, उपाध्यक्ष श्री सचिन कुमार चौहान, महामंत्री पद पर श्री चन्द्रभान कुमार एवं सहमंत्री श्री अनुराग शाह चुने गये। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव की उपस्थिति में सम्पन्न हुए चुनाव में अध्यक्ष पद श्री राकेश मौर्य ६१ वोटों से उपाध्यक्ष श्री सचिन चौहान ३५ वोटों से महामंत्री श्री चन्द्रभान कुमार ३४ वोटों से तथा सहमंत्री श्री अनुराग शाह ८ वोटों से विजयी घोषित किये गये। के सदस्य के रूप में श्री नागेश राज पाण्डेय, श्री अविनाश यादव, श्री सुधीर कुमार गुप्ता, श्री विशाल गुप्ता, श्री अमित कुमार गुप्ता, श्री कर्णनाथ पासवान तथा दिवाकर सिंह चुने गये।

रक्तदान शिविर :

महाविद्यालय में ६ अक्टूबर को गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा आयोजित इस रक्तदान शिविर में ४५ छात्रों एवं ६ शिक्षकों ने रक्तदान किया।

रक्त दान करते महाविद्यालय के शिक्षक

संयुक्त राष्ट्र स्थापना दिवस :

महाविद्यालय में २४ अक्टूबर २०१३ को संयुक्त राष्ट्र स्थापना दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के रक्षा अध्ययन विभाग के प्रवक्ता डॉ० शुभांशु शेखर सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी श्री लोकेश कुमार प्रजापति ने एवं आभार ज्ञापन श्रीमती कविता गन्धान ने किया।

छात्र संघ चुनाव के पश्चात उल्लास में विद्यार्थी

छात्र संघ चुनाव :

महाविद्यालय में ३१ अक्टूबर २०१३ को प्रतिवर्ष की भाँति छात्र संघ चुनाव सम्पन्न हुए । इस बार छात्र संघ चुनाव में अध्यक्ष निर्विरोध चुना गया एवं अन्य पदों पर छात्राओं ने बाजी मारी। अध्यक्ष पद पर श्री सुजीत कुमार सिंह, उपाध्यक्ष पद पर सुश्री रीना चौधरी एवं महामन्त्री पद पर सुश्री सृष्टि सिंह का निर्वाचन हुआ।

स्थापना सप्ताह समारोह :

महाविद्यालय ने इस वर्ष प्रथम बार अपने स्थापना सप्ताह समारोह के अन्तर्गत विद्यार्थियों के चतुर्दिक विकास को ध्यान में रखते

हुए विभिन्न प्रतियोगितों का आयोजन किया। इसके अन्तर्गत सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता, प्रश्न मंच प्रतियोगिता, हिन्दी-अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता के साथ हिन्दी भाषा के निबन्ध की भी प्रतियोगिता आयोजित की गई ।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में भाग लेते प्रतिभागी

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता :

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता ७ नवम्बर को सम्पन्न हुई। जिसके संयोजक श्री पुरुषोत्तम पाण्डेय, डॉ० सुनील कुमार मिश्र एवं श्री अमित कुमार मिश्र रहे। इस प्रतियोगिता में कुल १२५ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसमें प्रथम स्थान श्री मनोज कुमार चौहान, द्वितीय स्थान श्री पंकज कुमार यादव तथा तृतीय स्थान संयुक्त रूप से श्री सुजीत कुमार सिंह, श्री पुष्पेन्द्र कुमार, श्री योगेन्द्र कुमार एवं श्री संदीप कुमार को प्राप्त हुआ।

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभागी

कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता :

७ नवम्बर को ही कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता का भी अयोजन किया गया जिसके संयोजक श्री विरेन्द्र तिवारी तथा श्री संजय तिवारी थे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान कु० प्रगति तथा द्वितीय स्थान श्री अनुज कुमार मौर्या तथा तृतीय स्थान श्री आदित्य कुमार को प्राप्त हुआ।

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता :

८ नवम्बर को अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसकी संयोजिका श्रीमती कविता मन्ध्यान थी। इसमें प्रथम स्थान श्री अनिल कुमार सिंह, द्वितीय स्थान श्री अनिल कुमार एवं तृतीय स्थान सुश्री अणिमा पाठक को प्राप्त हुआ।

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता :

९ नवम्बर को हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसके संयोजक डॉ० अविनाश प्रताप सिंह एवं डॉ० आरती सिंह थीं। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री शुभम् कुमार, द्वितीय स्थान श्री रामेश्वर मणि तथा तृतीय स्थान श्री अनिल कुमार को प्राप्त हुआ।

प्रश्न मंच प्रतियोगिता :

११ नवम्बर को प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इस प्रतियोगिता के संयोजक श्री पुरुषोत्तम पाण्डेय, डॉ० सुनील कुमार मिश्र एवं श्री अमित कुमार मिश्र थे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री मनोज चौहान, द्वितीय स्थान श्री अमन चौहान एवं तृतीय स्थान श्री किशन देव निषाद को प्राप्त हुआ।

प्रश्नमंच प्रतियोगिता में उपस्थित विद्यार्थी

महारानी लक्ष्मीबाई जयन्ती पर उद्बोधन देती डॉ. शालिनी चौधरी

हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता :

१२ नवम्बर को महाविद्यालय में हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के संयोजक डॉ० अविनाश प्रताप सिंह रहे। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान श्री रामेश्वर मणि द्वितीय स्थान कुमारी प्राची शर्मा एवं तृतीय स्थान श्री सिद्धार्थ कुमार द्विवेदी को प्राप्त हुआ।

महामना मदनमोहन मालवीय पुण्य तिथि समारोह :

महाविद्यालय में १२ नवम्बर २०१३ को महामना मदनमोहन मालवीय पुण्य तिथि समारोह का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अर्थशास्त्र प्रभारी श्री पुरुपोत्तम पाण्डेय ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी श्री लोकेश कुमार प्रजापति एवं आभार ज्ञापन स्वयं सेविका सुश्री मीनाक्षी शर्मा ने किया।

महारानी लक्ष्मीबाई जयन्ती :

महाविद्यालय में १६ नवम्बर २०१३ को महारानी लक्ष्मीबाई जयन्ती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ० शालिनी चौधरी ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती कविता मन्ध्यान द्वारा किया गया।

महाविद्यालय में वार्षिक क्रीड़ा प्रतियोगिता

वार्षिक क्रीड़ा समारोह :

महाविद्यालय में दो दिवसीय वार्षिक खेल महोत्सव का आयोजन २३ व २४ नवम्बर २०१३ को हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न प्रकार के अन्तरमहाविद्यालयी प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। जिसमें प्रथम दिवस २३ नवम्बर को अन्तरमहाविद्यालयी वॉलीबाल, कबड्डी एवं बैडमिण्टन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के दूसरे दिन २४ नवम्बर को अन्तरमहाविद्यालयी दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें १०० मी० एवं ८०० मी० की दौड़ सम्मिलित थी। इसके अतिरिक्त गोला फेंक, जैबलिन थ्रो, ऊंची कूद तथा लम्बी कूद का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विभिन्न महाविद्यालयों के खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम के संयोजक श्री संजय कुमार शर्मा तथा श्री झब्बर शर्मा रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव ने सभी विजयी खिलाड़ियों को बधाई दिया।

वार्षिक क्रीड़ा समारोह में प्रतिभागी

विश्व एड्स दिवस पर महाविद्यालय द्वारा निकाली गयी रैली

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता :

छात्र संघ द्वारा २२ दिसम्बर को लिखित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। कुल १५३ विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रथम स्थान श्री संतोष कुमार प्रजापति द्वितीय स्थान श्री अमन कुमार चौहान एवं तृतीय स्थान श्री सिद्धार्थ कुमार द्विवेदी ने प्राप्त किया। गणतंत्र दिवस समारोह पर इन्हें पुरस्कृत किया गया।

विश्व एड्स दिवस :

महाविद्यालय में १ दिसम्बर एड्स दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा एक जन जागरुकता रैली का आयोजन किया गया, जो महाविद्यालय परिसर से होते हुए ग्राम मंझरिया, छोटी रेतवहिया एवं जंगल धूसड़ होते हुए महाविद्यालय आकर समाप्त हुई । इसके पश्चात महाविद्यालय में एक परिचर्चा का आयोजन किया गया, जिसमें एड्स के सन्दर्भ में स्वयं सेवक/सेविकाओं के मध्य एक स्वस्थ परिचर्चा हुई।

शोभा यात्रा में छात्र-छात्राएं

संस्थापक समारोह ४-१० दिसम्बर :

प्रतिवर्ष की भाँति ४ से १० दिसम्बर तक महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् संस्थापक समारोह का आयोजन हुआ। सप्ताह भर चले इस भव्यतम आयोजन में महाविद्यालय की यथासम्भव सक्रियता रही। ४ दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक समारोह के उद्घाटन समारोह में निकाली जाने वाली शोभा-यात्रा में महाविद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं, प्राध्यापक एवं कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इस वर्ष विद्यार्थियों द्वारा महंगाई, वन्दे मातरम् दल के अतिरिक्त सांस्कृतिक धरोहर एवं पर्यावरण से सम्बन्धित ज्वलन्त मुद्दों पर मनमोहक झाँकियों का प्रदर्शन किया। महाविद्यालय को प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी शोभा-यात्रा में सर्वश्रेष्ठ अनुशासन एवं पथ संचलन का प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ ।

पुरस्कार एवं योग्यता छात्रवृत्ति :

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा प्रदान किए जाने वाले पुरस्कारों एवं योग्यता छात्रवृत्तियों में अपना परचम लहराया। सर्वाधिक प्रतिष्ठित महाराणा मेवाड़ चतुरस्र योग्यता पुरस्कार रसायन शास्त्र विषय के एम.एस.सी. अन्तिम वर्ष के छात्र श्री मनीष कुमार त्रिपाठी को प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त संकाय स्तर पर प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों में बी.ए. भाग-एक के श्री सौरभ कृष्ण को प्रथम स्थान, श्री सत्य प्रकाश गुप्ता को द्वितीय स्थान, बी.काम. भाग एक की कु० आस्था अग्रवाल एवं कु० पूजा सिंह को प्रथम स्थान एवं कु० अंकिता सिंह को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। बी.एस-सी.भाग दो से

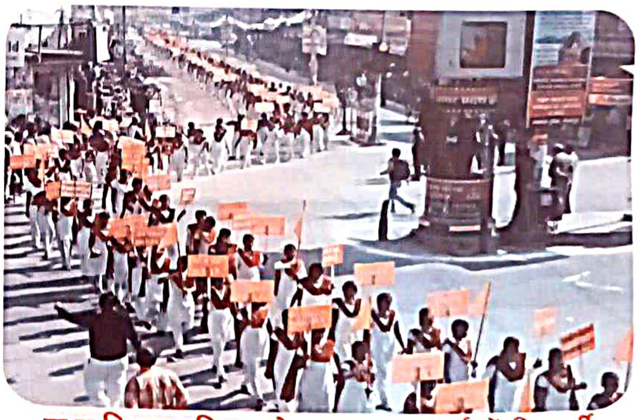
म.प्र.शिक्षा परिषद् के अनुशासन पर्व में विद्यार्थी

विजयी प्रतिभागी को पुरस्कार देते पूज्य महाराज जी

कु० आयुशी सिंह को प्रथम स्थान एवं कु० अनामिका मिश्रा को द्वितीय स्थान, बी.ए. भाग तीन से कु० ज्योति सिंह को प्रथम स्थान, एवं श्री रामेश्वर मणि को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। बी.एस.सी. भाग तीन से कु० सीमा राजभर राय को प्रथम स्थान एवं श्री अशोक कुमार मद्धेशिया को द्वितीय स्थान, बी.काम. भाग तीन से अनामिका कुमारी को प्रथम स्थान एवं श्री संग्राम सिंह को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। एम.एस.सी. प्रथम वर्ष में श्री राधेश्याम गुप्ता को प्रथम स्थान एवं कु० चाँदनी सिंह को द्वितीय स्थान, एम.एस.सी. द्वितीय वर्ष में श्री मनीष कुमार त्रिपाठी को प्रथम स्थान एवं श्री अभिषेक कुमार दूबे को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

पुरस्कार :

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा आयोजित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय ने प्रतिवर्ष की भाँति अनेक पुरस्कार अर्जित किए जिसमें पथ संचलन एवं सर्वश्रेष्ठ अनुशासन का प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त आशुभाषण प्रतियोगिता में महाविद्यालय के एम.एस.सी. अन्तिम वर्ष के छात्र श्री प्रदीप पाण्डेय को प्रथम पुरस्कार, कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता में महाविद्यालय की टीम को तृतीय स्थान एवं प्रश्न मंच प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त बॉलीबाल एवं बास्केट बाल प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय की टीम उपविजेता रही।

भौतिकी विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी

भौतिकी विभाग में सेमिनार का आयोजन :

महाविद्यालय में भौतिक विज्ञान विभाग की ओर से २० दिसम्बर २०१३ को, "वैज्ञानिक शोध की अद्यतन प्रवृत्ति एवं प्रविधि" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का उद्घाटन सुश्री मनीता सिंह, श्री अरविन्द शुक्ल एवं श्री अमित कुमार मिश्र ने किया। संगोष्ठी में कुल १३ शोध पत्र पढ़े गए। संचालन महाविद्यालय के छात्र श्री मनीष त्रिपाठी एंव आभार ज्ञापन श्री मोहित गुप्ता ने किया।

स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर श्री राजकुमार जी

भारत-भारती पखवाड़ा- १२ से २६ जनवरी २०१४ :

महाविद्यालय में १२ जनवरी २०१४ को स्वामी विवेकानन्द जयन्ती के अवसर पर स्वामी विवेकानन्द जयन्ती से गणतन्त्र दिवस तक भारत-भारती पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस पखवाड़े के शुभारंभ के अवसर पर मुख्य अतिथि कमल ज्योति एवं सुमंगलम पत्रिका के सम्पादक श्री राजकुमार जी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ० प्रदीप राव ने तथा संचालन श्री मनु कुमार सैनी ने किया।

भारत-भारती पखवाड़े के प्रथम दिन ही महाविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द मण्डलीय बॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ

जिसमें कुल १४ टीमों ने भाग लिया। पुरुष वर्ग में महाराणा प्रताप महाविद्यालय एव महिला वर्ग में दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज की टीम विजेता रही।

महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति दौड़ प्रतियोगिता :

पखवाड़े के दूसरे दिन ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ मण्डलीय दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें १०० मीटर, १५०० मीटर एवं ३००० मीटर दौड़ प्रतियोगितायें आयोजित की गई। इसमें क्रमशः ८, ४ तथा ५ टीमों ने हिस्सा लिया। १०० मीटर दौड़ में महाराणा प्रताप महाविद्यालय के श्री राहुल शर्मा, १५०० मीटर की दौड़ में जंगल धूसड़ ग्राम के श्री राकेश निषाद तथा ३००० मीटर की दौड़ में सुभाष चन्द्र बोस महाविद्यालय तुर्रा बाजार के श्री राकेश निषाद को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ।

महाविद्यालय में आयोजित मण्डलीय बैडमिण्टन प्रतियोगिता

एक दिवसीय श्रमदान शिविर :

भारत-भारती पखवाड़े के तीसरे दिन राष्ट्रीय सेवा योजना की महाराणाप्रताप इकाई का चयनित ग्राम हसनगंज में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया।

महाराणा प्रताप पुण्य तिथि समारोह पर बोलते मुख्य अतिथि

योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति बैडमिंटन प्रतियोगिता :

भारत-भारती पखवाड़े के अन्तर्गत महाविद्यालय में १६ जनवरी को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ मण्डलीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें ८ टीमों ने प्रतिभाग किया। पुरूष तथा महिला वर्ग दोनों में ही महाविद्यालय की टीम विजेता रही।

महाराणा-प्रताप पुण्य तिथि समारोह :

महाविद्यालय में १८ जनवरी २०१४ को महाराणा प्रताप पुण्य तिथि की पूर्व संध्या के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्य सभा सदस्य एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री राजनाथ सिंह 'सूर्य' उपस्थित थे। समारोह की अध्यक्षता पूर्व कुलपति एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो० उदय प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्री राहुल शर्मा तथा प्रस्ताविकी वाणिज्य विभाग के प्रवक्ता श्री नन्दन शर्मा ने किया।

महाराणा प्रताप स्मृति कवड्डी प्रतियोगिता :

भारत-भारती पखवाड़े के अन्तर्गत महाविद्यालय में महाराणा प्रताप मण्डलीय कवड्डी प्रतियोगिता आयोजित हुई। इस प्रतियोगिता में ६ टीमों ने हिस्सा लिया। जिसमें पुरुष वर्ग में महाराणा प्रताप इण्टर कालेज तथा महिला वर्ग में दिग्विजयनाथ पी.जी. कालेज की टीम विजेता रही।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती :

महाविद्यालय में २२ जनवरी २०१४ को नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती की पूर्व सन्ध्या के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के भूगोल विज्ञान के प्रभारी एवं कला संकाय अध्यक्ष डॉ० विजय कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र श्री

कबड्डी प्रतियोगिता मे जूझते प्रतिभागी

साधारण सभा में उपस्थित विद्यार्थी

छात्र-संघ की साधारण-सभा :

गणतन्त्र दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के छात्र संघ द्वारा चौथी साधारण सभा का आयोजन किया गया, जिसमें छात्र/छात्राओं ने अपनी-अपनी समस्याओं को प्रस्तुत किया। यथासम्भव सभी समस्याओं का निवारण महाविद्यालय के प्राचार्य ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्रायें उपस्थित थे।

सरस्वती-पूजा :

४ फरवरी २०१३ को बसन्त पंचमी के अवसर पर महाविद्यालय में माँ सरस्वती की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा शास्त्रीय विधि द्वारा करके हर्षोल्लास पूर्वक प्राचार्य, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं द्वारा ज्ञान की अधिष्ठात्री देवी माँ सरस्वती की पूजा-अर्चना की गई। महाविद्यालय में इस अवसर पर सुभाष चन्द्र बोस मण्डलीय कैनवस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें १५ टीमों ने प्रतिभाग किया। इस प्रतियोगिता में महाराणा स्नातकोत्तर महाविद्यालय की टीम विजेता रही।

राष्ट्रीय सेवा योजना के सप्तदिवसीय शिविर में आयोजित कार्यक्रम

अरूण कुमार एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में महाविद्यालय के बी.ए. प्रथम वर्ष के छात्र श्री सिद्धार्थ द्विवेदी ने अपने विचार प्रकट किये। कार्यक्रम का संचालन सुश्री प्रिया वर्मा तथा आभार ज्ञापन श्री राहुल तिवारी ने किया।

गणतन्त्र दिवस समारोह :

महाविद्यालय में प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी गणतन्त्र दिवस समारोह का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के दर्जनों छात्र/छात्राओं नें अपनी प्रस्तुतियाँ दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ० प्रदीप राव ने किया। कार्यक्रम में छात्र संघ के पदाधिकारियों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का समापन मिष्ठान्न वितरण के साथ सम्पन्न हुआ।

महाविद्यालय में सरस्वती पूजन

विश्वविद्यालय पूर्व-परीक्षा :

महाविद्यालय में विश्वविद्यालय पूर्व-परीक्षा १७ से २५ फरवरी तक सम्पन्न हुई। परीक्षा परिणाम २८ फरवरी को घोषित किया गया। महाविद्यालय की परम्परानुसार प्रत्येक संकाय में प्रथम तीन स्थान प्राप्त विद्यार्थियों के सत्र २०१४-१५ की प्रवेश समिति का सदस्य मनोनीत किया गया एवं उनकी उत्तर पुस्तिकाएं महाविद्यालय में अवलोकनार्थ रखी गयीं।

राष्ट्रीय सेवा योजना का सप्त दिवसीय विशेष शिविर :

राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाइयों (महाराणा प्रताप इकाई एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ इकाई) का संयुक्त सप्त दिवसीय शिविर का आयोजन १ मार्च से ७ मार्च २०१४ के मध्य सम्पन्न हुआ। शिविर के

अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना की दोनों इकाईयों द्वारा ग्राम हसनगंज एवं ग्राम मंझरियाँ में सफाई अभियान चलाया गया। इसके अतिरिक्त अशिक्षा, बेरोजगारी, नशाखोरी एवं एड्स के विरूद्ध जन जागरुकता अभियान चलाया गया।

कार्यशाला :

महाविद्यालय में दिनांक २ मार्च से ८ मार्च २०१४ के मध्य महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज के शिक्षकों के अध्ययन-अध्यापन की अनवरत विकास यात्रा को जारी रखते हुए, ''वर्तमान शिक्षण प्रविधि एवं अनुभव आधरित सुधार'' विषय पर सप्त दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न हुई। कार्यशाला का उद्देश्य महाविद्यालय के शिक्षकों के अध्ययन-अध्यापन में अनवरत विकास करते रहना था।

महाविद्यालय में आयोजित कार्यशाला

नूतन आयाम :

स्वैच्छिक श्रमदान :

प्रत्येक सप्ताह शनिवार को महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं, कर्मचारी, प्राध्यापक एवं प्राचार्य द्वारा सुविधानुसार स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है। शनिवार को कक्षाएं ४० मिनट की चलाई जाती हैं तथा ११.३० से १.०० तक स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है।

श्रमदान करते छात्र-छात्राएं

साप्ताहिक कक्षाध्यापन :

सप्ताह में एक दिन प्राध्यापक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षायें पढ़ायी जाती हैं। पूर्व निर्धारित विषय पर प्रत्येक विषय में लगभग दस छात्र-छात्राओं की कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास किया जाता है। कक्षाध्यापन में विशेष तौर पर वह विषय दिये जाते हैं जो परीक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होते हैं।

मासिक मूल्यांकन :

प्रत्येक माह के अन्त में प्राध्यापक द्वारा अपने-अपने प्रश्नपत्र में छात्र-छात्राओं का लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जाता है।

प्रगति आख्या :

विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर बेवसाइट के माध्यम से एवं लिखित रुप में प्रस्तुत किया जाता है। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन के अंक का उल्लेख होता है।

प्रोजेक्टर युक्त कक्षायें :

महाविद्यालय में प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की कम से कम पाँच कक्षायें प्रोजेक्टर के माध्यम से संचालित की जाती हैं।

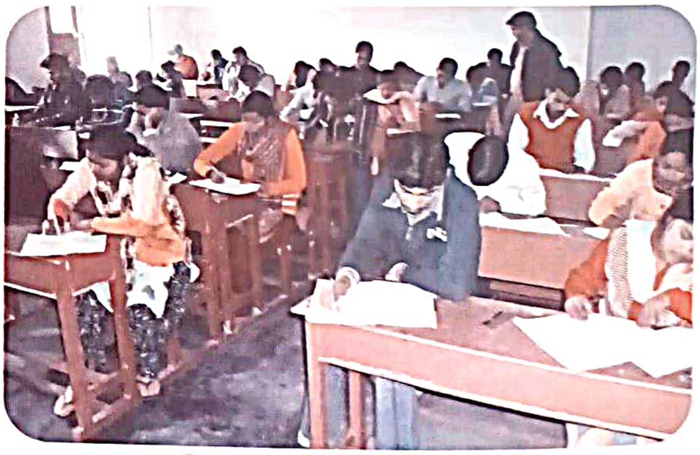

महाविद्यालय में मासिक मूल्यांकन

छात्र संघ की पत्रिका चेतक का विमोचन

कक्षाओं में सारांश :

महाविद्यालय में प्रत्येक दिवस पढ़ाये जाने वाले प्रत्येक प्रश्न पत्र की कक्षाओं में सम्बन्धित पाठ्यक्रम का एक पृष्ठ के लिखित सारांश की छायाप्रति वितरित किया जाता है। सारांश में उस कक्षा में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विषय का सार विभिन्न सन्दर्भ ग्रन्थों की सहायता से दिया जाता है।

प्रशासन में छात्र सहभाग एवं छात्र संघ की भूमिका :

महाविद्यालय की विविध समितियों जैसे नियन्ता मण्डल, प्रवेश समिति, पयोगशाला, पुस्तकालय, छात्रा समिति आदि में छात्र संघ के प्रतिनिधि अथवा पदाधिकारी सदस्य होते हैं। छात्र संघ अपने बजट का ७५ प्रतिशत हिस्सा सारांश की छायाप्रति, प्रोजेक्टर आदि पर व्यय करता है।

वेबसाइट :

महाविद्यालय के पास अपनी अद्यतन वेबसाइट है। महाविद्यालय की समस्त सूचना एवं विद्यार्थियों के विषय में सम्पूर्ण जानकारी महाविद्यालय की बेवसाइट पर उपलब्ध रहती है, विद्यार्थियों की प्रगति आख्या एवं पाठ्यक्रम योजना बेवसाइट पर उपलब्ध रहती है। प्रत्येक विद्यार्थी अपने से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी अपने आई.डी. नम्बर के द्वारा वेबसाइट पर प्राप्त कर सकता है।

पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षायें :

महाविद्यालय में प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की पाठ्यक्रम योजना प्रकाशित की जाती है एवं कक्षा संचालन शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जाता है। पाठ्यक्रम योजना की प्रति वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।

दीवाल पत्रिका :

महाविद्यालय में छात्र संघ द्वारा गठित संपादक मण्डल द्वारा दीवाल पत्रिका का प्रतिमाह प्रकाशन होता है। हस्तलिखित लेख, कविता, व्यंग्य, चित्र आदि का संपादन कर उसे प्रत्येक माह के पहले कार्य दिवस पर दीवाल पत्रिका पर लगा दिया जाता है। पत्रिका में कोई भी विद्यार्थी शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक अथवा अन्य विषयों पर अपना लेख छात्र संघ को दीवाल पत्रिका हेतु दे सकता है।

छात्र संघ पत्रिका चेतक :

दीवाल पत्रिका के संकलित प्रस्तुतियों का 'चेतक' पत्रिका के माध्यम से प्रतिवर्ष छात्र संघ द्वारा प्रकाशन किया जाता है।

विमर्श का प्रकाशन :

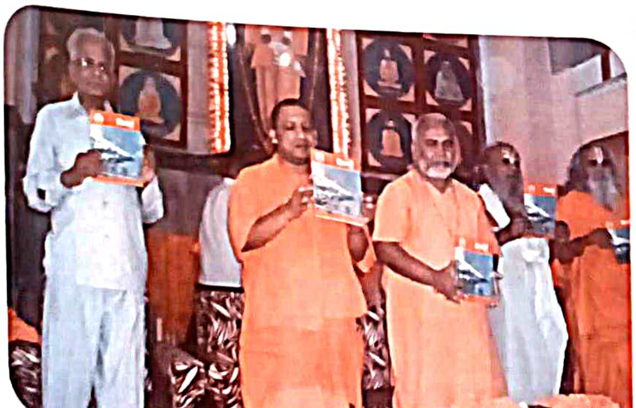
विमर्श पत्रिका का विमोचन

महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज की स्मृति में आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान माला के व्याख्यानों एवं विभिन्न विषयों के शोध पत्रों का प्रकाशन अपनी अन्तर अनुशानात्मक एवं प्रमाणिक शोध पत्रिका 'विमर्श' के माध्यम से किया जाता है। विमर्श का विमोचन युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ महाराज की पुण्य तिथि समारोह के अवसर पर किया जाता है।

ऑनलाइन पुस्तकालय :

महाविद्यालय की पुस्तकालय ऑनलाइन हो जाने से शिक्षक एवं विद्यार्थी विश्व के प्रमुख ग्रन्थालयों से जुड़ गये हैं और उत्तरोत्तर इसका लाभ उठा रहे है।

शोध एवं अध्ययन केन्द्र : वार्षिक रपट

गुरू श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र :

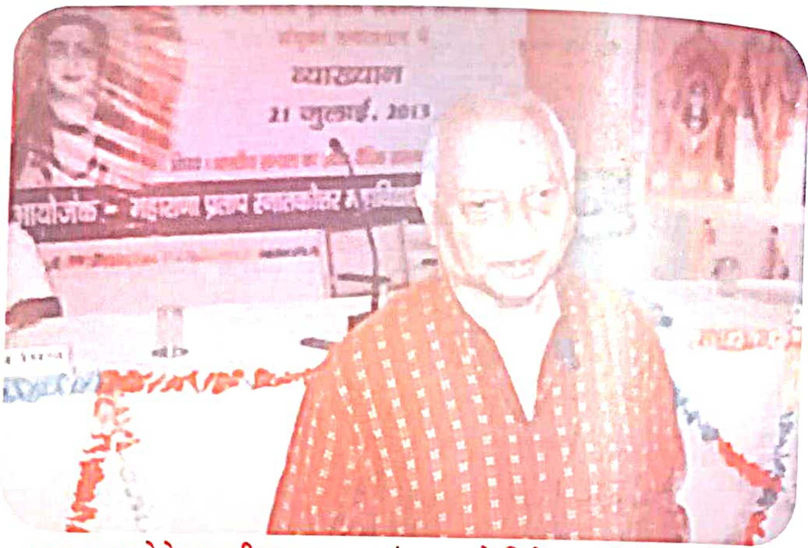

व्याख्यान देते भारतीय पुरातत्व संस्थान के निदेशक प्रो.के.एन.दीक्षित

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज गोरक्षनाथ मन्दिर द्वारा स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत संचालित होता है। गुरुश्री गोरक्षनाथ द्वारा प्रवर्तित नाथ पंथ का मूल केन्द्र गोरक्षनाथ मन्दिर है। अतः नाथ पंथ पर शोध एवं अध्ययन इस संस्था के मौलिक कर्तव्यों का हिस्सा है। इसी कर्तव्य भाव से गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र की स्थापना सत्र २०१२-१३ में हुई थी। स्थापना के दो वर्षों के कालखण्ड में शोध एवं अध्ययन केन्द्र द्वारा सामग्री संकलन का कार्य जारी है तथा गुरु श्री गोरक्षनाथ से सम्बन्धित एवं उनके द्वारा प्रवर्तित नाथपंथ से सम्बन्धित सामग्रियों के संकलन का यह मुख्य कार्य आगे भी अनवरत जारी रहेगा। शोध एवं अध्ययन केन्द्र के तत्वावधान में वर्तमान सत्र में कुछ महत्वपूर्ण व्याख्यान भी आयोजित किए गए। साथ ही साथ इस सत्र में गुरू श्री गोरक्षनाथ एवं नाथ पंथ से सम्बन्धित कुछ महत्वपूर्ण चित्रों का संकलन एवं उनकी प्रिंटिंग भी कराई गई है। मार्च २०१४ में एक दिवसीय कार्यशाला प्रस्तावित है।

अगले सत्र २०१४-१५ से प्रतिवर्ष वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन प्रस्तावित है। व्याख्यान, कार्यशाला एवं संगोष्ठी आदि का आयोजन भी किया जाता रहेगा। नाथ पंथ से सम्बन्धित देश-विदेश के सभी प्रमुख तीर्थ-स्थलों को सूचीबद्ध करना एवं नाथ पंथ से सम्बन्धित समाज में प्रचलित परम्पराओं एवं कथाओं का भी संकलन हमारी प्राथमिकताओं में सम्मिलित होगा। वस्तुतः यह शोध केन्द्र गुरु श्री गोरक्षनाथ एवं नाथ पंथ से सम्बन्धित दार्शनिक, धार्मिक एवं पारम्परिक आदि सभी पक्षों पर अध्ययन एवं उनका प्रकाशन करता रहेगा।

नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र :

भारत की उत्तरी सीमा पर हिमालय की गोद में बसा नेपाल भारत का सहोदर राष्ट्र है। गोरखपुर से मात्र १०० कि.मी. की दूरी पर स्थित नेपाल पर निरन्तर शोध एवं अध्ययन दक्षिण पूर्व एशिया की सुख शान्ति तथा भारत नेपाल दोनों के सम्प्रभुता की रक्षा की दृष्टि से आवश्यक है। इसी दृष्टि से जुलाई २०१३ में नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र की स्थापना की गई। इस वर्ष एक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रस्ताव विश्वविद्यालय अनुदान आयोग नई दिल्ली को भेजा गया। एक नेपाली वृहद शब्दकोश तथा संस्कृत नेपाली हिन्दी अंग्रेजी त्रैयभाषिक शब्द कोश तथा नेपाली भाषा ज्ञान हेतु १६ नेपाली पुस्तक मंगायी गयी। इसके अलावा २४ नेपाल विषयक सन्दर्भ ग्रन्थों तथा ४ शोध प्रबन्धों को केन्द्र में लाया गया। जुलाई माह से समाचार पत्रों में नेपाल विषयक समाचारों का संग्रह किया जा रहा है। पत्र-पत्रिकाओं से भी नेपाल विषयक अध्ययन सामग्री का संकलन किया जा रहा है। नेपाल से सम्बन्धित दो संगठन 'भारत नेपाल मैत्री समाज' तथा 'भारतीय गोरखा संगठन' गोरखपुर से सम्बन्ध स्थापित किया गया। भारत नेपाल सम्पर्क प्रकोष्ठ द्वारा दिल्ली में आयोजित नेपाल विषयक संगोष्ठी में सहभाग किया गया। नेपाल मूल तथा नेपाल में कार्यरत रहे लोगों का एक समूह निर्माण का कार्य किया जा रहा है। नेपाली भाषा ज्ञान के सन्दर्भ में तैयारी चल रही है। नेपाल तथा भारत से आमंत्रित स्थानीय विद्वानों के व्याख्यान के आयोजन, भारत तथा नेपाल के नागरिक समाज को जोड़ने हेतु विविध कार्यक्रमों का आयोजन, नेपाल विषयक एक शोध पत्रिका का प्रकाशन करने की योजना है। भारत नेपाल के मध्य सम्बन्धों (सुरक्षा सम्प्रभुता की दृष्टि से) को बेहतर बनाने हेतु आगामी भविष्य की रूप रेखा तैयार करने की योजना है।

नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र में व्याख्यान देते श्री अजीत जी

समावर्तन - २०१३

प्रत्येक वर्ष की भाँति महाविद्यालय में इस वर्ष भी स्नातक अन्तिम वर्ष के एवं परास्नातक अन्तिम वर्ष के छात्र-छात्राओं का समावर्तन संस्कार समारोह २२ फरवरी २०१३ को उत्साह पूर्वक सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय का सदैव यह प्रयास रहता है कि समावर्तन संस्कार समारोह में हमेशा वही अतिथि आयें जिनके व्यक्तिगत जीवन तथा सामाजिक जीवन में एकरूपता रहती है। इसी क्रम में इस बार के समावर्तन संस्कार समारोह में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह सर कार्यवाह डा० कृष्ण गोपाल जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्रबन्धक एवं गोरक्षपीठ के उत्तराधिकारी परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्वांचल विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो० यू०पी० सिंह जी मौजूद रहे। मंच पर परम्परागत रूप से पुरातन छात्र परिषद् के अध्यक्ष श्री राकेश कुमार मौर्य एवं शिक्षक अभिभावक संघ के अध्यक्ष डॉ. टी.एन. मिश्र भी उपस्थित थे। समारोह की प्रस्ताविकी महाविद्यालय के प्राचार्य डा० प्रदीप राव ने रखी। कार्यक्रम में दीक्षान्त उपदेश के साथ पूज्य महाराज जी ने ३७२ छात्र छात्राओं को परम्परागत भारतीय परिधान में दीक्षा दिलाकर समावर्तन संस्कार पूर्ण कराया। समावर्तन संस्कार समारोह में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में महाविद्यालय की विभिन्न कक्षाओं में सर्वाधिक अंक अर्जित करने वाले १५ मेधावियों को सत्र २०१३-१४ हेतु प्रवेश समिति में नामित होने का प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र छात्राओं सहित महानगर के गणमान्य नागरिक एवं शिक्षक मौजूद रहे। इस कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के भौतिकी विभाग के प्रभारी श्री संतोष कुमार ने किया।

पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज से समावर्तन उपदेश ग्रहण करते विद्यार्थी

प्रबन्ध समिति

अध्यक्ष	श्री महन्त अवेद्यनाथ	गोरक्षपीठाधीश्वर
उपाध्यक्ष	प्रो. यू.पी. सिंह	पूर्व कुलपति
प्रबन्धक/सचिव	श्री योगी आदित्यनाथ	सांसद लोकसभा
सदस्य	श्री प्रमोद चौधरी	प्रतिष्ठित व्यवसायी
	श्री धर्मेन्द्रनाथ वर्मा	अधिवक्ता
	श्री पारसनाथ मिश्रा	अधिवक्ता
	श्री प्यारे मोहन सरकार	अधिवक्ता
	श्री गोरक्ष प्रताप सिंह	शिक्षाविद्
	श्री योगी कमलनाथ	धर्माचार्य
	डॉ. मयाशंकर सिंह	पूर्व प्राचार्य
	श्री रामजन्म सिंह	प्रधानाचार्य

शिक्षक-अभिभावक समिति

अध्यक्ष	डॉ. त्रियुगी नारायण मिश्र (अभिभावक)
उपाध्यक्ष	श्री विजय कुमार साहनी (अभिभावक)
	श्री महेश कुमार सैनी (अभिभावक)
सचिव	डॉ. प्रवीन्द्र कुमार शाही (शिक्षक)
सदस्य	श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह (अभिभावक)
	श्री रमेश चन्द्र श्रीवास्तव (अभिभावक)
	श्री सुधाकर त्रिपाठी (अभिभावक)
	श्री रुद्दल शर्मा (अभिभावक)
	श्री मनोज शर्मा (अभिभावक)
	श्रीमती राजकुमारी पाण्डेय (अभिभावक)
	श्रीमती ममता यादव (अभिभावक)
	श्रीमती ऊषा देवी (अभिभावक)

शिक्षक संघ

अध्यक्ष	डॉ. विजय कुमार चौधरी
उपाध्यक्ष	श्री सुभाष कुमार गुप्ता
महामंत्री	श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी
कोषाध्यक्ष	श्री पुरुषोत्तम पाण्डेय
सदस्य	डॉ.अविनाश प्रताप सिंह
	श्रीमती कविता मन्ध्यान
	श्री लोकेश कुमार प्रजापति
	डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह
	श्री अनिल कुमार वर्मा

छात्रसंघ

अध्यक्ष	श्री सुजीत कुमार सिंह	एम.ए. प्रथम वर्ष
उपाध्यक्ष	सुश्री रीना चौधरी	बी.ए. तृतीय वर्ष
महामंत्री	सुश्री सृष्टि सिंह	बी.ए. तृतीय वर्ष

छात्रसंघ के प्रतिनिधि

प्रतिनिधि	कक्षा	विषय
श्री राम प्रताप	भाग-एक	हिन्दी
श्री हेमन्त कृष्ण	भाग-दो	हिन्दी
सुश्री रेनू चौहान	भाग-तीन	हिन्दी
श्री राहुल तिवारी	भाग-एक	अंग्रेजी
सुश्री मिनाक्षी शर्मा	भाग-दो	अंग्रेजी
श्री राजेश कुमार पटेल	भाग-तीन	अंग्रेजी
श्री महेश कुमार	भाग-एक	राजनीतिशास्त्र
श्री सुजीत कुमार गुप्त	भाग-दो	राजनीतिशास्त्र
श्री ओमकार सिंह	भाग-तीन	राजनीतिशास्त्र
श्री जगवन्त कुमार मौर्य	भाग-एक	समाजशास्त्र
श्री मनोज कुमार	भाग-दो	समाजशास्त्र
सुश्री प्रियनन्दा चौहान	भाग-तीन	समाजशास्त्र
श्री आनन्द कुमार चौरसिया	भाग-एक	प्राचीन इतिहास
श्री आशीष राय	भाग-दो	प्राचीन इतिहास
सुश्री प्रतिमा प्रजापति	भाग-तीन	प्राचीन इतिहास
श्री सन्नी कुमार साहनी	भाग-एक	इतिहास
सुश्री रिंकी चौहान	भाग-दो	इतिहास
सुश्री प्रिया वर्मा	भाग-तीन	इतिहास
श्री सिद्धार्थ कुमार द्विवेदी	भाग-एक	अर्थशास्त्र
श्री अनिल कुमार साहनी	भाग-दो	अर्थशास्त्र
श्री वशिष्ठ मुनि चौरसिया	भाग-तीन	अर्थशास्त्र
श्री किशन देव	भाग-एक	भूगोल
सुश्री शोभावती	भाग-दो	भूगोल
श्री रामेश्वर मौर्य	भाग-तीन	भूगोल
श्री अनिल कुमार यादव	भाग-एक	मनोविज्ञान
सुश्री नलिनी शर्मा	भाग-दो	मनोविज्ञान
सुश्री रीना चौधरी	भाग-तीन	मनोविज्ञान
सुश्री ज्योति कुमारी	भाग-एक	रक्षा अध्ययन
श्री अनिल कुमार गुप्ता	भाग-दो	रक्षा अध्ययन
सुश्री सृष्टि सिंह	भाग-तीन	रक्षा अध्ययन
श्री बैजू साहु	भाग-एक	रसायनशास्त्र
श्री अनिल कुमार सिंह	भाग-दो	रसायनशास्त्र
श्री अशोक कुमार मद्धेशिया	भाग-तीन	रसायनशास्त्र
सुश्री शशि चौहान	भाग-एक	गणित
सुश्री ऋचा शुक्ला	भाग-दो	गणित
सुश्री सीमा राजभर राय	भाग-तीन	गणित
श्री अभय श्रीवास्तव	भाग-एक	भौतिकी
श्री श्याम सुन्दर प्रजापति	भाग-दो	भौतिकी
श्री दुर्गेश सिंह	भाग-तीन	भौतिकी
सुश्री गीता सिंह	भाग-एक	जन्तु विज्ञान
श्री धर्मेन्द्र कुमार गौड़	भाग-दो	जन्तु विज्ञान
सुश्री जाह्नवी सिंह	भाग-तीन	जन्तु विज्ञान
सुश्री रितु गुप्ता	भाग-एक	वनस्पति विज्ञान
सुश्री अनामिका मिश्रा	भाग-दो	वनस्पति विज्ञान
सुश्री प्रतिमा यादव	भाग-तीन	वनस्पति विज्ञान
सुश्री श्वेता सिंह	भाग-एक	इलेक्ट्रानिक्स
श्री कुँवर अली	भाग-दो	इलेक्ट्रानिक्स
श्री नीरज शुक्ला	भाग-एक	कम्प्यूटर साइंस
सुश्री अम्बिका शर्मा	भाग-दो	कम्प्यूटर साइंस
श्री शुभम पाण्डेय	भाग-एक-ए	बी.काम.
श्री सूरज जायसवाल	भाग-एक-बी	बी.काम.
श्री ऋषिकेश तिवारी	भाग-दो	बी.काम.
श्री संतोष कुमार प्रजापति	भाग-तीन	बी.काम.
श्री सुजीत कुमार सिंह	भाग-एक	प्राचीन इतिहास (एम.ए.)
श्री मनोज चौहान	भाग-दो	प्राचीन इतिहास (एम.ए.)
सुश्री गरिमा मिश्रा	I-सेमेस्टर	रसायन शास्त्र (एम.एस-सी.)
सुश्री प्रियंका मिश्रा	III-सेमेस्टर	रसायन शास्त्र (एम.एस-सी.)

कर्मचारी संघ

अध्यक्ष	श्री संजय कुमार शर्मा
उपाध्यक्ष	श्री लालसा
महामंत्री	श्री जोगिन्दर
कोषाध्यक्ष	श्री रामरतन
सदस्य	श्री झब्बर शर्मा
	श्री शारदानन्द पाण्डेय
	श्री सुभाष कुमार

पुरातन छात्र परिषद्

अध्यक्ष	श्री राकेश कुमार मौर्य
उपाध्यक्ष	श्री सचिन कुमार चौहान
महामंत्री	श्री चन्द्रभान कुमार
सहमंत्री	श्री अनुराग शाह
सदस्य	श्री वागीश राज पाण्डेय
	श्री अविनाश यादव
	श्री सुधीर कुमार गुप्ता
	श्री अनिल कुमार गुप्ता
	श्री विशाल गुप्ता
	श्री कर्मनाथ पासवान
	श्री दिवाकर सिंह

नियन्ता मण्डल

मुख्य नियन्ता	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह
नियन्ता	श्री सुभाष कुमार गुप्ता
	श्री नन्दन शर्मा
	श्री सुबोध मिश्र
	डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह
	डॉ. सुनील कुमार मिश्र
	डॉ. राम सहाय

छात्र नियन्ता मण्डल

श्री सुजीत कुमार सिंह	एम. ए. प्रथम वर्ष
श्री किशन देव	बी.ए. भाग-एक
श्री संतोष कुमार प्रजापति	बी.काम. भाग-तीन
सुश्री ज्योति कुमारी	बी.ए. भाग-एक
श्री अमित कुमार गुप्ता	बी.ए. भाग-दो
सुश्री सृष्टि सिंह	बी.ए. भाग-तीन
श्री वैभव कृष्ण	बी.ए. भाग-दो

प्रवेश समिति

संयोजक	डॉ. विजय कुमार चौधरी
सह संयोजक	डॉ. आर.एन. सिंह
	डॉ. शिव कुमार बर्नवाल
	डॉ. शालिनी सिंह
	श्री लोकेश कुमार प्रजापति
	डॉ. राजेश शुक्ल
	श्री नन्दन शर्मा
	डॉ. राम सहाय
	डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव
	सुश्री मनीता सिंह
	श्रीमती शालिनी चौधरी

चक्रानुक्रम में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों का सहयोग लिया जाता है।

प्रवेश समिति सदस्य (छात्र/छात्राएं)

१.	श्री धीरज कुमार	बी.एस-सी. भाग-एक
२.	श्री दुर्गेश सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो
३.	श्री जयहिन्द यादव	बी.काम. भाग-तीन
४.	सुश्री प्रीति शर्मा	बी.ए. भाग-एक
५.	श्री कमलेश	बी.ए. भाग-एक
६.	सुश्री ज्योति सिंह	बी.ए. भाग-दो
७.	श्री अमित कुमार पाण्डेय	बी.ए. भाग-दो

प्रवेश समिति मे उन छात्र-छात्राओं को चयनित किया जाता है जो विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में अपने वर्ग में सर्वोच्च अंक प्राप्त करते हैं।

प्रयोगशाला छात्र समिति

प्रभारी	डॉ. आर.एन. सिंह	प्रवक्ता, जन्तु विज्ञान
सदस्य	श्री दुर्गेश सिंह	बी.एस-सी. भाग-तीन
	सुश्री जान्हवीं सिंह	बी.एस-सी. भाग-तीन
	श्री धर्मेन्द्र कुमार गौड़	बी.एस-सी. भाग-दो
	श्री बैजू साहू	बी.एस-सी. भाग-एक
	सुश्री गीता सिंह	बी.एस-सी. भाग-एक
	सुश्री रीतू गुप्ता	बी.एस-सी. भाग-एक
	सुश्री रीमा चौधरी	बी.एस-सी. भाग-एक
	श्री नीरज शुक्ला	बी.एस-सी. भाग-एक
	श्री अभय श्रीवास्तव	बी.एस-सी. भाग-एक
	श्री अनिल कुमार सिंह	बी.एस-सी. भाग-दो

छात्रा समिति

प्रभारी	सुश्री मनीता सिंह	(प्रवक्ता-भौतिकी)
सदस्य	सुश्री श्रीभावती	बी.ए. भाग-दो
	सुश्री मीनाक्षी शर्मा	बी.ए. भाग-दो
	सुश्री रीना चौधरी	बी.ए. भाग-तीन
	सुश्री रिंकी चौहान	बी.ए. भाग-दो
	सुश्री काजल सोनकर	बी.ए. भाग-तीन

प्रार्थना एवं स्वच्छता समिति

प्रभारी	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह	प्राध्यापक, राजनीतिशास्त्र
सदस्य	सुश्री मीनाक्षी शर्मा	बी.ए. भाग-दो
	सुश्री नलिनी शर्मा	बी.ए. भाग-दो
	सुश्री प्रीति साहनी	बी.ए. भाग-दो
	सुश्री मनीषा सिंह	बी.ए. भाग-एक
	सुश्री गीतान्जलि	बी.ए. भाग-दो
	सुश्री अर्चना सिंह	बी.ए. भाग-दो
	सुश्री पूनम	बी.ए. भाग-दो
	सुश्री प्रमिला चौहान	बी.ए. भाग-दो
	सुश्री कुमारी प्रीति	बी.ए. भाग-दो

क्रीड़ा छात्र समिति

सदस्य	श्री सिद्धार्थ कुमार द्विवेदी	बी.ए. भाग-एक
	श्री महेश कुमार	बी.ए. भाग-एक
	श्री सन्नी कुमार साहनी	बी.ए. भाग-एक
	श्री निशान्त सिंह	बी.काम. भाग-तीन
	श्री आशीष राय	बी.ए. भाग-दो
	श्री मनोज चौहान	एम.ए. भाग-दो
	श्री अमित कुमार यादव	बी.ए. भाग-एक
	श्री राहुल तिवारी	बी.ए. भाग-एक
	श्री जसवन्त कुमार मौर्या	बी.ए. भाग-एक
	श्री मनीष कुमार	बी.ए. भाग-दो

पुस्तकालय तथा सूचना एवं परामर्श समिति

प्रभारी	श्री शिव प्रसाद शर्मा	ग्रन्थालयी
	श्री झब्बर शर्मा	सहायक ग्रन्थालयी
सदस्य	श्री ऋपिकेश तिवारी	बी.काम. भाग-दो
	श्री अशोक कुमार मद्धेशिया	बी.एस-सी. भाग-तीन
	श्री सुर्जीत कुमार गुप्त	बी.ए. भाग-दो
	सुश्री ऋचा शुक्ला	बी.ए. भाग-दो
	श्री अम्बिका शर्मा	बी.एस-सी. भाग-दो

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

प्रभारी	श्रीमती कविता मन्ध्यान	पवक्ता, अंग्रेजी
सदस्य	श्री राम प्रताप	बी.ए. भाग-एक
	सुश्री अनामिका मिश्रा	बी.एस-सी. भाग-दो
	सुश्री नलिनी शर्मा	बी.ए. भाग-दो
	सुश्री श्वेता सिंह	बी.एस-सी. भाग-एक
	श्री शशि चौहान	बी.एस-सी. भाग-एक
	सुश्री प्रिया वर्मा	बी.ए. भाग-तीन

आन्तरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

अध्यक्ष	डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य
समन्वयक/सचिव	डॉ. विजय कुमार चौधरी प्रभारी, भूगोल विभाग
सदस्य प्रबन्ध समिति	परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज, प्रवन्धक
	प्रो. यू.पी. सिंह, पूर्व कुलपति उपाध्यक्ष प्रबन्ध समिति
सदस्य/वाहृय विशेषज्ञ	प्रो. राम अचल सिंह, पूर्व कुलपति
	न्यायमूर्ति के.डी. शाही, (अ.प्रा.) उच्च न्यायालय, उ.प्र.
सदस्य स्थानीय समुदाय	डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय, पूर्व प्राचार्य
	श्री प्रदीप कुमार , रेती चौक, गोरखपुर
सदस्य शिक्षक	डॉ. आर.एन.सिंह, डॉ. राजेश शुक्ल,
	डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, श्री लोकेश प्रजापति,
	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह
पदेन सदस्य	सुश्री मनीता सिंह, छात्रा प्रभारी
	श्री शिव प्रसाद शर्मा, ग्रन्थालयी
	श्री त्रियुगी नारायण मिश्र, अध्यक्ष, छात्र-अभिभावक संघ
	श्री राकेश कुमार, अध्यक्ष, पुरातन छात्र परिषद
	श्री संजय कुमार शर्मा, अध्यक्ष कर्मचारी संघ
	श्री सुजीत कुमार सिंह, अध्यक्ष छात्र संघ

नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष	परम पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज	
निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव	प्राचार्य
शोध सहायक	डॉ. शशि कान्त सिंह	प्रवक्ता, रक्षा-अध्ययन
परामर्श समिति	डॉ. कृष्ण कुमार गौतम	काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. काशीनाथ	बुद्ध टूरिज्म विश्वविद्यालय काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री राकेश मिश्र	तराई पत्रकार काठमाण्डू (नेपाल)
	श्री सुरेश मल्ल	नेपाल
	श्रीमती नलिनी गयवाली	सामाजिक कार्यकर्ता (नेपाल)
	श्री दीपक अधिकारी	सामाजिक कार्यकर्ता काठमाण्डू (नेपाल)
	डॉ. हर्ष सिन्हा	दी.द.उ.गो.विश्वविद्यालय गोरखपुर (भारत)
	डॉ. रेनू सक्सेना	जामिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली (भारत)
	श्री अजीत कुमार	सामाजिक कार्यकर्ता (भारत)
	श्री हरेन्द्र प्रताप सिंह	सदस्य विधान परिषद, पटना, बिहार (भारत)
	श्री अरूण जी	सामाजिक कार्यकर्ता, नयी दिल्ली (भारत)

गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष	पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज
निदेशक	डॉ. प्रदीप कुमार राव
शोध समन्वयक	श्री लोकेश कुमार प्रजापति
शोध अध्येता	सुश्री शालिनी चौधरी
शोध सहायक	श्री सुबोध मिश्र
परामर्श समिति	प्रो. यू. पी. सिंह, प्रो. शिवाजी सिंह, प्रो. कपिल कपूर,
	डॉ. सन्तोष शुक्ला, प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा
	प्रो. मुरली मनोहर पाठक, डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह

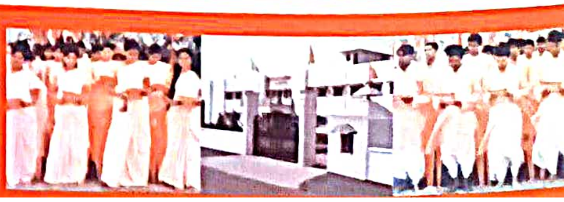

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

महाविद्यालय परिवार

अध्यक्ष

गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज

प्रबन्धक

पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज

प्राचार्य

डॉ. प्रदीप कुमार राव

डॉ. विजय कुमार चौधरी	प्रभारी	भूगोल विभाग, अध्यक्ष, कला संकाय
डॉ. रघुबीर नारायण सिंह	प्रभारी	प्राणि विज्ञान विभाग, अध्यक्ष, प्रयोगशाला, विज्ञान संकाय
डॉ. शिव कुमार बर्नवाल	प्रभारी	रसायन शास्त्र विभाग, प्रभारी, छात्रसंघ
डॉ. अविनाश प्रताप सिंह	प्रभारी	राजनीतिशास्त्र विभाग, मुख्य नियन्ता
डॉ. शालिनी सिंह	प्रवक्ता	रसायन शास्त्र विभाग
श्री लोकेश कुमार प्रजापति	प्रभारी	प्राचीन इतिहास
श्री पुरूषोत्तम पाण्डेय	प्रभारी	अर्थशास्त्र विभाग, वेबसाइट प्रबन्धन
श्रीमती कविता मन्ध्यान	प्रभारी	अंग्रेजी विभाग, कार्यक्रम अधिकारी, रा.से.यो., सिलाई कढ़ाई
डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव	प्रभारी	वनस्पति विज्ञान विभाग, नैक
डॉ. प्रवीन्द्र कुमार	प्रवक्ता	भूगोल विभाग
श्री प्रकाश प्रियदर्शी	प्रभारी	समाजशास्त्र विभाग
डॉ. राजेश शुक्ला	प्रभारी	वाणिज्य संकाय, वाणिज्य संकाय, सूचना एवं जनसम्पर्क
डॉ. आरती सिंह	प्रभारी	हिन्दी विभाग, अध्यक्ष
श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी	प्रभारी	गणित विभाग, सूचना एवं परामर्श
श्री नन्दन शर्मा	प्रवक्ता	वाणिज्य संकाय
श्री सुभाष गुप्ता	प्रवक्ता	वाणिज्य संकाय, प्रभारी, ई.पी.एफ.
डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह	प्रभारी	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, कार्यक्रम अधिकारी, रा.से.यो.
सुश्री मनीता सिंह	प्रभारी	भौतिक विज्ञान विभाग, छात्रा प्रमुख
श्री सुबोध मिश्र	प्रवक्ता	प्राचीन इतिहास विभाग
डॉ. महेन्द्र प्रताप सिंह	प्रभारी	इतिहास विभाग, प्रभारी छात्र कल्याण
डॉ. सुनील कुमार मिश्र	प्रभारी	मनोविज्ञान विभाग
डॉ. राम सहाय	प्रवक्ता	रसायन शास्त्र विभाग
डॉ. विरेन्द्र तिवारी	प्रभारी	कम्प्यूटर साइंस विभाग
श्री अनिल वर्मा	पवक्ता	इलेक्ट्रानिक्स विभाग
सुश्री आम्रपाली	प्रवक्ता	वनस्पति विज्ञान विभाग
सुश्री शालिनी चौधरी	प्रवक्ता	प्राचीन इतिहास विभाग
श्री प्रतीक दास	प्रवक्ता	गणित विभाग
श्री विनय कुमार सिंह	प्रवक्ता	प्राणि विज्ञान विभाग
डॉ. शशि कान्त सिंह	प्रवक्ता	रक्षा एवं राजनीतिक अध्ययन विभाग, कार्यक्रम अधिकारी रा.स.यो.
डॉ. अजय बहादुर सिंह	प्रवक्ता	मनोविज्ञान विभाग
श्री संजय तिवारी	प्रवक्ता	कम्प्यूटर साइंस विभाग
श्री प्रदीप कुमार वर्मा	प्रवक्ता	रसायन शास्त्र विभाग
डॉ. अमित कुमार मिश्र	प्रवक्ता	भौतिक विज्ञान विभाग
सुश्री प्रियंका मिश्रा	प्रवक्ता	रसायन शास्त्र विभाग
सुश्री पूनम	प्रवक्ता	समाजशास्त्र विभाग
श्रीमती कमलावती प्रजापति	प्रशिक्षिका	सिलाई-कढ़ाई

महाविद्यालय परिवार

ग्रन्थालयी : श्री शिव प्रसाद शर्मा
सह ग्रन्थालयी : श्री झब्बर शर्मा

तृतीय श्रेणी कर्मचारी :
१. श्री सुभाष कुमार, कार्यालय प्रमुख
२. श्री लक्ष्मीकान्त दूबे, कार्यालय सहायक
३. श्री संजय कुमार शर्मा, प्रभारी कम्प्यूटर प्रकोष्ठ एवं क्रीड़ा
४. श्री प्रदीप यादव, प्रयोगशाला सहायक, वनस्पति विज्ञान विभाग
५. श्री ओम प्रकाश, प्रयोगशाला सहायक, रसायन शास्त्र विभाग
६. श्री संतोष श्रीवास्तव, प्रयोगशाला सहायक, भौतिक विज्ञान
७. श्री राम उमेश साहनी, प्रयोगशाला सहायक, प्राणि विज्ञान विभाग
८. श्री अमित कुमार, प्रयोगशाला सहायक, कम्प्यूटर विभाग
९. श्री महेश कुमार, प्रयोगशाला सहायक, रसायन शास्त्र विभाग
१०. श्री शारदा नन्द पाण्डेय, कम्प्यूटर संचालक
११. श्री राम रतन, प्रयोगशाला सहायक, भूगोल विभाग
१२. श्री विनय कुमार मिश्र, पुस्तकालय सहायक

चतुर्थ श्रेणी :

१. श्री विश्वनाथ	परिचर
२. श्री जोगिन्दर	परिचर
३. श्री विनोद	परिचर
४. श्री राजाराम	परिचर
५. श्री धर्मवीर	माली
६. श्री लालसा	माली
७. श्री राम आशीष	परिचर
८. श्रीमती गुड्डी	परिचर
९. श्रीमती कमलावती	परिचर
१०. श्री सोखा	चौकीदार

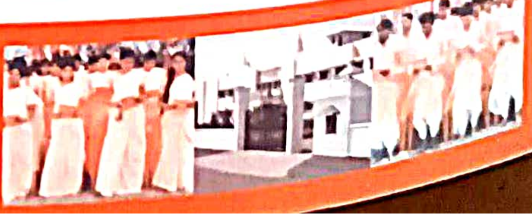

हमारे प्रयास

- प्रातः सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, वन्देमातरम् एवं राष्ट्रगान के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ।
- प्रत्येक महापुरूष की जयन्ती अथवा पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा में उन पर संक्षिप्त परिचयात्मक उद्बोधन के साथ उन्हें श्रद्धांजलि।
- 16 जुलाई से स्नातक/ स्नातकोत्तर द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- 1 अगस्त से स्नातक/ स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- प्रति वर्ष पाठ्यक्रम योजना का प्रकाशन एवं तद्नुरूप 14 फरवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण करने की योजना का क्रियान्वयन।
- 16 अगस्त से प्रयोगशालाएं शुरू।
- छात्रसंघ का चुनाव सितम्बर प्रथम सप्ताह तक।
- प्रवेश समिति में छात्र-छात्राएँ सदस्य एवं संयोजक।
- छात्र, छात्राओं, प्राध्यापक, कर्मचारी आदि द्वारा प्रत्येक शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान।
- सप्ताह में एक दि… कथाध्ययन।
- छात्र-छात्राओं क…
- महाविद्यालय प्र… …स्तकालय, प्रयोगशाला, खेल, सांस्कृतिक कार्य…
- प्रत्येक सोमवार …
- छात्र-छात्राओं द्वा…
- फरवरी माह में …
- विश्वविद्यालय … …य की विशेष सुविधा, प्रवेश समिति की सदस… … रखा जाना।
- परीक्षा से पूर्व स…
- शिक्षकों द्वारा छ…
- सत्र में दो बार …
- प्रतिवर्ष अगस्त … …य स्मृति व्याख्यान माला।
- नवम्बर माह में …
- प्रतिवर्ष 'विमर्श…
- प्रत्येक सत्र में रा…
- ग्रामीण महिलाओं के स्वावलम्बन हेतु योगीराज बाबा … …शुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन।
- महाविद्यालय के समस्त छात्र/छात्राओं एवं ग्रामीण छात्राओं हेतु निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण।
- गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर (उ.प्र.)-273014
कृपया ध्यान दें:-
1. पुस्तक खो देने, फाड़ देने या बरबाद कर देने पर पाठक को उसके बदले में नयी पुस्तक देना होगा या दोगुना मूल्य देना होगा।
2. आवश्यकतानुसार पुस्तकालयाध्यक्ष द्वारा निर्गमित पुस्तक को किसी भी समय लौटाने के समय निर्देश का पालन अनिवार्य होगा।
3. पुस्तक पर किसी तरह का निशान इंक या मार्का द्वारा चिन्ह न लगाएँ।
हमें पुस्तक का उसी प्रकार उपयोग करना चाहिए जैसे मधुमक्खी पुष्प का करती है, वह मधु संचित कर लेती है, किन्तु इसे क्षति नहीं पहुंचाती .. (काल्टन)
पुस्तकें साफ एवं सुरक्षित रखें।

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

समावर्तन उपदेश

सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः। सत्यान्न प्रमदितव्यम्। धर्मान्न प्रमदितव्यम्। कुशलान्न प्रमदितव्यम्। भूत्यै न प्रमदितव्यम्। स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्। देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम्। मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव। अतिथिदेवो भव। यान्यनवद्यानि कर्माणि तानि सेवितव्यानि।

तैत्तिरीय उपनिषद् 1.11

"सत्य बोलना। धर्म का आचरण करना। स्वाध्याय में प्रमाद न करना। सत्य से न हटना। धर्म से न हटना । कुशल कार्य में प्रमाद न करना। महान् बनने के सुअवसर से न चूकना। पठन-पाठन के कर्त्तव्य में प्रमाद न करना। देवता और पितरों के कार्य (यज्ञ और श्राद्ध आदि) से प्रमाद न करना। माता को देवी समझना। पिता को देवता समझना। आचार्य को देवता समझना। अतिथि को देवता समझना। अन्यान्य दोष-रहित कार्यों को करना।"

संकल्प

मैं .... पुत्र/पुत्री श्री/श्रीमती ....
स्नातक/स्नातकोत्तर कला/विज्ञान/वाणिज्य में इस महाविद्यालय से अपनी शिक्षा पूर्ण कर रहा/रही हूँ।

- मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि उपर्युक्त समावर्तन उपदेश का पालन करूँगा/करूँगी।
- जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वाह करूँगा/करूँगी।
- मैं भारत का एक योग्य नागरिक बना रहूँगा/बनी रहूँगी। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति मेरी निष्ठा रहेगी।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे राष्ट्रीय एकता-अखण्डता को चोट पहुँचे।
- मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे मेरे माता-पिता तथा सगे-सम्बन्धियों की कीर्ति धूमिल हो।
- भारत की सनातन संस्कृति में मेरी अटूट निष्ठा बनी रहेगी।
- भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान करते हुए उसके संवर्धन हेतु सदैव प्रयत्नशील रहूँगा/रहूँगी और अपने व्यक्तिगत जीवन में उनका पालन करूँगा/करूँगी।

कमल ऑफसेट प्रिन्टर्स, दुर्गा बाड़ी रोड, गोरखपुर - फोन : 2240695, मो.: 9415331881

हस्ताक्षर प्राचार्य

हस्ताक्षर छात्र/छात्रा